राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

# विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 49
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
रविवार 18 जनवरी 2026
मूल्य :2 /-

RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट

पेज 3 नोएडा इंटरनेशनल कनेक्टिविटी के लिए दो आरआरटीएस कॉरिडोर

पेज 4 यूपी में कोहरे का कहर, बच्ची समेत 7 की मौत

पेज 6 टी20 में डेविड वॉर्नर का नया कीर्तिमान, शतकों के मामले में विराट

## संक्षिप्त खबरें

### दिल्ली से पटना जा रही तेजस एक्सप्रेस को बम से उड़ाने की धमकी मिली

**नई दिल्ली।** दिल्ली से पटना जा रही तेजस राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन को शनिवार की देर रात को बम से उड़ाने की धमकी मिली। ट्रेन उस वक्त उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से गुजर रही थी। इसके बाद वहीं ट्रेन को रोका गया और जांच की गई। जांच में कुछ नहीं मिलने के बाद करीब 31 मिनट बाद ट्रेन को आगे बढ़ाया गया। तेजस राजधानी दरअसल राजधानी एक्सप्रेस का ही अपग्रेडेड वर्जन है। इसमें बेहतर इंटीरियर, आधुनिक एलईडी डिस्प्ले और ऑटोमैटिक दरवाजे जैसी सुविधाएं हैं।

### डीजीसीए ने इंडिगो पर 22.20 करोड़ का फाइन लगाया

**नई दिल्ली।** डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने एयरलाइन कंपनी इंडिगो पर 22.20 करोड़ का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना एयरक्राफ्ट रूल्स, 1937 के रूल 133ए के तहत लगाया गया है। इसके तहत एकमुश्त जुर्माना 1.80 करोड़ है। इसके अलावा FDTL नियमों का 68 दिन तक पालन नहीं करने पर प्रतिदिन ?30 लाख का जुर्माना लगाया गया, जो कि 20.40 करोड़ होता है। डीजीसीए ने यह एक्शन 3 से 5 दिसंबर, 2025 के बीच इंडिगो की 2507 फ्लाइट के कैंसिल होने और 1852 फ्लाइट के ऑपरेशन में देरी होने पर लिया है। इस कारण 3 लाख से ज्यादा यात्रियों को परेशानी हुई थी।

# ट्रम्प ने 8 यूरोपीय देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया

## ग्रीनलैंड पर कब्जे का विरोध कर रहे थे, कहा- नहीं माने तो जून से 25 प्रतिशत टैरिफ

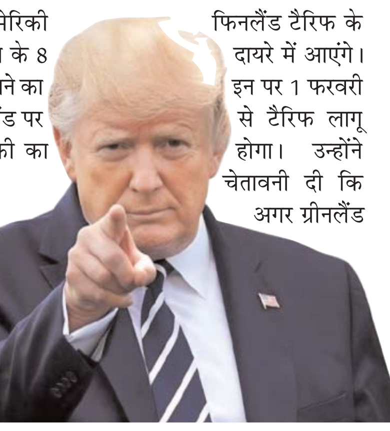

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूरोप के 8 देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। ये देश ग्रीनलैंड पर अमेरिका के कब्जे की धमकी का विरोध कर रहे थे।

ट्रम्प ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड और फिनलैंड टैरिफ के दायरे में आएंगे। इन पर 1 फरवरी से टैरिफ लागू होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं होता है, तो 1 जून से यह टैरिफ बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया जाएगा।

इससे पहले ट्रम्प ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक बैठक के दौरान इन देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी थी।

### ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को खरीदने का प्रस्ताव दिया

ट्रम्प ने पोस्ट में 'ग्रीनलैंड की पूर्ण और पूरी खरीद' के लिए डील की बात कही है और साफ किया है कि तय समय तक समझौता नहीं होने पर टैरिफ बढ़ाया जाएगा।

ट्रम्प ने लिखा- हमने कई वर्षों तक डेनमार्क, यूरोपीय यूनियन के सभी देशों और कुछ और देशों को सब्सिडी दी है। हमने उनसे टैरिफ या किसी भी तरह का कोई टैक्स नहीं लिया। अब सदियों बाद समय आ गया है कि डेनमार्क बदले में कुछ लौटाए क्योंकि अब विश्व शांति दांव पर है।

ट्रम्प ने कहा कि चीन और रूस ग्रीनलैंड को हासिल करना चाहते हैं और डेनमार्क इसे चाहे भी तो नहीं रोक सकता। फिलहाल वहां सुरक्षा के नाम पर सिर्फ दो डॉग स्लेज (कुत्तों के खींचने वाली गाड़ी) हैं। इस खेल में सिर्फ अमेरिका ही कामयाब तरीके से दखल दे सकता है। ट्रम्प के मुताबिक अमेरिका पिछले 150 सालों से ग्रीनलैंड खरीदने की कोशिश कर रहा है और कई राष्ट्रपतियों ने इसके प्रयास किए, लेकिन डेनमार्क ने हर बार इनकार किया। फिलहाल इस टैरिफ पर यूरोपीय देशों की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

# बांग्लादेश में हिंदू कारोबारी की पीट-पीटकर हत्या

### एक महीने में 9 हिंदुओं की हत्या

**ढाका।** बांग्लादेश के गाजीपुर जिले में शनिवार को एक हिंदू कारोबारी की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। वह अपनी मिठाई की दुकान में काम करने वाले एक नाबालिग कर्मचारी को बचाने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया है। मृतक की पहचान 55 वर्षीय लिटन चंद्र घोष उर्फ काली के रूप में हुई है। वह बैशाखी स्वीटमीट एंड होटल का मालिक था।

यह दुकान नगरपालिका इलाके के पास बरनगर रोड पर स्थित है। बांग्लादेश में बीते एक महीने में अब तक 9 हिंदुओं की हत्याएं हो चुकी हैं।

# अरुणाचल में जमी हुई झील में फिसलकर दो युवक डूबे

### शव मिले, दोनों केरल के थे; लेक के ऊपर बर्फ की परत टूटने से हादसा

**ईटानगर।** अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में स्थित सेला लेक में शुक्रवार को केरल के दो युवक डूब गए। एक पर्यटक का शव शुक्रवार को ही बरामद कर लिया गया, जबकि दूसरे का शव शनिवार को बरामद हुआ। पानी के भीतर कम विजिबिलिटी के कारण गोताखोरों को शव ढूंढने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

पुलिस अधीक्षक डी.डब्ल्यू. थोंगोन ने बताया कि मृतकों की पहचान दिनु (26) और महादेव (24) के रूप में हुई है। दोनों सात लोगों के टूरिस्ट ग्रुप का हिस्सा थे, जो असम गुवाहाटी के रास्ते अरुणाचल के तवांग में घूमने पहुंचा था।

घटना शुक्रवार दोपहर में हुई, जब युवकों का ग्रुप जमी हुई झील के ऊपर मौज-मस्ती कर रहा था। इसी दौरान बर्फ की परत टूट गई और एक युवक पानी में गिर गया। उसे बचाने के लिए दिनु और महादेव झील में उतरे। जो युवक पहले गिर था, वह सुरक्षित बाहर आ गया, लेकिन दिनु और महादेव बर्फीले पानी में बह गए।

### 'अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव'

नई दिल्ली में आगामी गणतंत्र दिवस परेड के पूर्वाभ्यास के दौरान भारतीय सेना के वाहन।

# मणिपुर में कुकी उग्रवादियों ने नगा-बहुल इलाके में तोड़फोड़ की

**इंफाल।** मणिपुर में शांति बहाल करने के लिए सुरक्षाबल सख्त अभियान चला रहे हैं। इससे बौखलाए कुकी उग्रवादी समूहों ने राज्य को एक बार फिर अशांत करने की साजिश शुरू कर दी है। कुकी उग्रवादियों न सेनापति जिले के नगा बहुल इरेंग नगा गांव में कुकी लैंड और दूर रहो लिखकर केंद्र और राज्य सरकारों को खुली चुनौती दी है। स्थानीय लोगों के मुताबिक बीते दिनों रात के समय अज्ञात हथियारबंद लोग गांव में दाखिल हुए और तोड़-फोड़ करते हुए मेमोरियल स्टोन पर नारा लिख दिया। गांव वालों ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। इसके चलते क्षेत्र में नए सिरे से अशांति फैलने की आशंका गहरा गई है।

खुद को टाइगर किप्गेन उर्फ थांग्बोई/हाउगेंथांग किप्गेन बताने वाले केएनएफ-पी के कमांडर ने गांव के चेयरमैन को फोन कर हत्या और पूरे गांव को जला देने की धमकी दी।

# राहुल बोले-पानी पीकर लोग मर रहे, यही अर्बन मॉडल

### इंदौर में मृतकों के परिजन को डेढ़-डेढ़ लाख के चेक दिए; कहा- सरकार जिम्मेदारी ले

**इंदौर।** कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार को इंदौर पहुंचे।

राहुल सबसे पहले बॉम्बे हॉस्पिटल गए, जहां उन्होंने दूषित पानी से पीड़ित मरीजों और परिजन से मुलाकात की। राहुल ने कहा- ये नए मॉडल की स्मार्ट सिटी है। पीने का पानी नहीं है। परिवार पानी पीने के बाद बीमार हुए। यानी इंदौर में साफ पानी नहीं मिल सकता है। ये है अर्बन मॉडल।

उन्होंने कहा, सरकार अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रही है। किसी को ये राजनीति लगे तो लगे, लेकिन लोगों को साफ पानी मिलना चाहिए। इस दौरान राहुल भागीरथपुरा भी गए और दूषित पानी से जान गंवाने वाली गीता बाई और जीवनलाल के परिवार से मिले। दोनों परिवारों को उन्होंने चेक दिया। इसके बाद राहुल गांधी संस्कार गार्डन पहुंचे। यहां उन्होंने दूसरे प्रभावितों से मुलाकात की। सभी को राहुल ने एक लाख और सिंघार ने 50-50 हजार रुपए के चेक दिए।

दरअसल, इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से 24 मौतें हुई हैं।

### राहुल बोले- इंदौर में लोग पानी पीकर मर रहे, ये अर्बन मॉडल

भागीरथपुरा में मृतकों के परिजन से मिलने के बाद राहुल ने कहा- इनके परिवार में लोगों की डेथ हुई है। लोग बीमार हुए हैं। ये कहा जाता था कि देश को स्मार्ट सिटी दी जाएंगी। ये नए मॉडल की स्मार्ट सिटी है। पीने का पानी नहीं है। लोगों को डराया जा रहा है। सारे के सारे परिवार पानी पीने के बाद बीमार हुए। यानी इंदौर में साफ पानी नहीं मिल सकता है। पानी पीकर लोग मरते हैं। ये है अर्बन मॉडल।

## हैप्पी मॉर्निंग

बेटी (पिता से)- मैं पड़ोसी से प्यार करती हूं और उसके साथ भाग रही हूं
पिता- बहुत बढ़िया, मेरे पैसे और समय दोनों बच गए
बेटी- पापा, मैं चिट्ठी पढ़ रही हूं, जो मम्मी रख कर गई हैं
बेटी की बात सुनकर पिता बेहोश.....

## शायरी

कुर्सी है तुम्हारा ये जनाज़ा तो नहीं है
कुछ कर नहीं सकते तो उतर क्यों नहीं जाते

# उत्तर भारत में कोहरे का कहर : यूपी में सात लोगों की मौत

नई दिल्ली। उत्तर भारत में भीषण ठंड और कोहरे का कहर जारी है। आज मौसम मुख्य रूप से ठंडा और कोहरे से प्रभावित रहेगा, हालांकि शीतलहर की तीव्रता में कुछ कमी आएगी। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पश्चिम भारत में अगले एक सप्ताह के दौरान शीतलहर की संभावना नहीं है, लेकिन घना कोहरा और ठंड जारी रहेगी। कुछ इलाकों में हल्की बारिश/बर्फबारी की संभावना भी है।

### यूपी में 40 से अधिक वाहनों की टक्कर, सात की मौत

शनिवार को उत्तर प्रदेश में इस सीजन का सबसे घना कोहरा छाया रहा, जिसके कारण कई जिलों में सड़क हादसे हुए। विभिन्न स्थानों पर कुल 40 से अधिक वाहनों की टक्कर हुई, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई—जिसमें एक डेढ़ साल की मासूम बच्ची भी शामिल है। इन हादसों में 50 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। कोहरे की वजह से दृश्यता शून्य के करीब पहुंच गई, जिससे हाईवे और प्रमुख सड़कों पर वाहन चालकों को नियंत्रण खोने की समस्या हुई।

### हिमाचल प्रदेश में हुई बर्फबारी

हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति और चंबा जिलों में ताजा बर्फबारी हुई, जिसके चलते कई पर्यटक प्रभावित हुए। स्पीति के शिंकुला दर्रा क्षेत्र में 25 पर्यटक वाहन बर्फ में फंस गए। स्थानीय पुलिस और प्रशासन ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि, शिमला और चौपाल जैसे कुछ इलाकों में तापमान में मामूली बढ़ोतरी देखी गई—सियोबाग का न्यूनतम तापमान 1.0 से बढ़कर 8.0 तक पहुंच गया।

### श्रीनगर का पारा -4.0 तक पहुंच गया

जम्मू-कश्मीर में चिल्लई कलां का 40 दिन का दौर जारी है, जो आज अपना 28वां दिन पूरा कर रहा है। घाटी में न्यूनतम तापमान में तेज गिरावट आई है। श्रीनगर का पारा -4.0 तक पहुंच गया, जबकि शोपियां में -5.6 दर्ज किया गया। पहलगाम -2.6, गुलमर्ग -4.2 और सोनमर्ग -2.9 रहा। इस भीषण ठंड से दाल झील और अन्य जलाशयों के कुछ हिस्से जम गए हैं, जिससे स्थानीय लोगों और पर्यटकों को कड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

### आठ लाख का इनामी माओवादी और तीन साथी ढेर

**बीजापुर।** छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच शनिवार को मुठभेड़ में आठ लाख का इनामी माओवादी दिलीप बेड़जा अपने तीन साथियों के साथ मारा गया। दिलीप नेशनल पार्क एरिया कमेटी का डिविजनल कमेटी सदस्य था। घटनास्थल से सुरक्षा बलों ने एक महिला माओवादी और तीन पुरुष माओवादियों के शव, एके-47 राइफल व .303 राइफल बरामद की है। जिले के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के जंगल-पहाड़ी इलाके में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच शनिवार सुबह से मुठभेड़ जारी थी। पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेंद्र यादव ने बताया कि माओवादी दिलीप बेड़जा के साथ सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी, कोबरा और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने सर्च आपरेशन चलाया।

# गोवा में दो रूसी महिलाओं की हत्या, दोनों का गला रेता

- 8 किमी की दूरी पर शव मिले, हाथ रस्सी से बंधे थे; आरोपी रूसी नागरिक गिरफ्तार

**पणजी।** गोवा में दो रूसी महिलाओं की हत्या का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दोनों शव शुक्रवार को बरामद किए गए। पुलिस ने दोनों की हत्या के आरोप में 37 साल के रूसी नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान एलेक्सी लियोनोव के रूप में की गई है।

वहीं, मृतक महिलाओं का नाम एलेना कस्थानोवा (37) और एलिना वानीवा (37) था। गोवा पुलिस के मुताबिक, दोनों महिलाओं की हत्या

एक ही पैटर्न में की गई। दोनों का चाकू से गला रेता गया था। हाथ बॉडी के पीछे की तरफ रस्सी से बंधे थे।

मामला तब सामने आया, जब गुरुवार रात गोवा के अरंबोल में किराए के मकान से आरोपी की लिव-इन पार्टनर एलेना कस्थानोवा का शव बरामद हुआ। मकान मालकिन की शिकायत के मुताबिक, घटना रात 11 बजे के बाद हुई।

## अर्थसार

सेंसेक्स:
83,570.35
+187.64 (0.23%)
निफ्टी:
25,694.35
+28.75

## मौसम

| | | |
|---|---|---|
| अधिकतम | | : 20 डिग्री से0 |
| न्यूनतम | | : 09 डिग्री से0 |
| सूर्योदय | सोमवार | : 7 : 20 |
| सूर्यास्त | रविवार | : 5 : 50 |

# कार पर चढ़ी हाईवा, 4 दोस्तों की हुई मौत

**मधेपुरा।** मधेपुरा में शनिवार सुबह सड़क हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। हादसा सुबह 4 बजे एनएच-106 के पास बिजली ऑफिस के सामने हुआ, जहां तेज रफ्तार हाइवा ने कार को रौंद दिया।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के वक्त कार की रफ्तार करीब 120 थी, जिससे कार पर हाइवा चढ़ गया, उसमें सवार सभी 4 लोग बुरी तरह फंस गए।

हादसे की तस्वीरें विचलित करने वाली हैं। चार मृतकों में तीन के सिर कुचला गए हैं। एक की आंखें बाहर निकल गई है। कार के अंदर खून ही खून है, जो गेट से भी बह कर नीचे आ

गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से लाश को खींच-खींचकर बाहर निकाला गया।

हंगामा-तनाव

### प्रदर्शनकारियों ने रेलवे गेट तोड़ा, हाइवे जाम; बिहार में प्रवासी मजदूर पर हमले के बाद हंगामा

# बंगाल के मुर्शिदाबाद में तनाव, 30 लोग गिरफ्तार

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में शनिवार को दूसरे दिन भी हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने एनएच-12 और रेलवे ट्रैक को फिर से जाम कर दिया है। स्थिति नियंत्रित करने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

यह विरोध बिहार में एक प्रवासी मजदूर पर हमले के बाद भड़का है। इससे एक दिन पहले झारखंड में प्रवासी मजदूर की मौत को लेकर बेलडांगा में हिंसक प्रदर्शन हुआ था, जिससे सड़क और रेल रूट घंटों ठप रहा था। एडिशनल एसपी ने बताया कि अब तक 30 लोगों को गिरफ्तार

किया गया है।

सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को शांति बनाए रखने की अपील की थी। इधर भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा ने शनिवार को कहा कि ट्रेनों को जलाया जा रहा है। ममता बनर्जी इसे अल्पसंख्यकों का गुस्सा बताकर सही ठहरा रही हैं।

### रेलवे गेट तोड़ा, कृष्णनगर-लालगोला रूट बंद

शनिवार सुबह प्रदर्शनकारियों ने बेलडांगा स्टेशन के पास रेल गेट में तोड़फोड़ की और रेलवे सिग्नल को नुकसान पहुंचाया। इसके चलते कृष्णनगर और लालगोला के बीच ट्रेन बंद कर दी गई।

पुलिस के अनुसार, सैकड़ों स्थानीय लोग बेलडांगा के बरुआ मोड़ पर एनएच-12 पर जमा हो गए। इससे हाईवे पर लंबा जाम लग गया और कई वाहन फंस गए।

पूर्व रेलवे के जनरल मैनेजर मिलिंद के. देउस्कर ने बताया कि हालात को देखते हुए इलाके में अतिरिक्त RPF और RPSF बल तैनात किए जा रहे हैं। नए सिरे से तनाव की खबर के बाद बेलडांगा में पुलिस की तैनाती और बढ़ा दी गई है।

### बिहार में प्रवासी मजदूर से मारपीट का आरोप

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मुर्शिदाबाद के मजदूर अनीसुर शेख के साथ बिहार में मारपीट की गई। इस घटना से शुक्रवार की हिंसा के बाद शांत हुआ गुस्सा फिर भड़क उठा।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, घायल मजदूर अनीसुर शेख शुक्रवार देर रात किसी तरह मुर्शिदाबाद पहुंचा। उसकी हालत गंभीर थी। उसे मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया।

स्थानीय विधायक हुमायूं कबीर मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों व प्रशासनिक अधिकारियों से बातचीत की। अधिकारियों ने कहा कि हालात सामान्य करने और हिंसा को फैलने से रोकने की कोशिश की जा रही है।

विशाल इंडिया
हिन्दी दैनिक



गौतमबुद्धनगर
रविवार 18 जनवरी 2026
Www.vishalindia.in

# संपादकीय

## विकसित भारत का सपना : बेरोजगारी दर बढ़कर 4.8 प्रतिशत - चुनौतियां और समाधान

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

भारत विकसित भारत @2047 के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह विजन केवल आर्थिक विकास का नहीं, बल्कि समावेशी प्रगति, सामाजिक न्याय और हर नागरिक को सम्मानजनक रोजगार प्रदान करने का भी है। 2047 तक भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था, उच्च प्रति व्यक्ति आय, न्यूनतम गरीबी और मजबूत श्रम बाजार बनाने का लक्ष्य है। लेकिन हालिया सरकारी आंकड़े इस सपने के सामने एक महत्वपूर्ण चुनौती पेश करते हैं। Periodic Labour Force Survey (PLFS) के अनुसार, दिसंबर 2025 में देश की बेरोजगारी दर मामूली बढ़कर 4.8 प्रतिशत हो गई है, जो नवंबर के 4.7 प्रतिशत से थोड़ी अधिक है।

यह वृद्धि मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में देखी गई, जहां बेरोजगारी दर 6.5 प्रतिशत से बढ़कर 6.7 प्रतिशत पहुंच गई। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में यह दर स्थिर रही और 3.9 प्रतिशत पर बनी रही। कुल श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) में सुधार हुआ है, जो 55.8 प्रतिशत से बढ़कर 56.1 प्रतिशत (सीरीज हाई) हो गई। इसका मतलब है कि अधिक लोग नौकरी की तलाश में सक्रिय हो रहे हैं, लेकिन सभी को तुरंत रोजगार नहीं मिल पा रहा। महिला श्रम भागीदारी भी बढ़ी है – ग्रामीण महिलाओं में यह 39.7 प्रतिशत से बढ़कर 40.1 प्रतिशत हो गई, जबकि कुल महिला LFPR 35.3 प्रतिशत पर पहुंची।

यह आंकड़ा सतह पर छोटा लग सकता है, क्योंकि यह पिछले वर्षों की तुलना में काफी बेहतर है। 2017–18 में बेरोजगारी दर 6 प्रतिशत थी, जो 2023–24 में घटकर 3.2 प्रतिशत पर आ गई। लेकिन 2025 से शुरू हुई मासिक PLFS रिपोर्टिंग में उतार–चढ़ाव दिख रहा है – मई 2025 में यह 5.6 प्रतिशत तक पहुंची, जबकि दिसंबर में 4.8 प्रतिशत है। यह वृद्धि चिंता का विषय है, खासकर जब सरकार मेक इन इंडिया, PLI स्कीम, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम जैसी योजनाओं से बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का दावा कर रही है।

विकसित भारत के लिए बेरोजगारी दर 4 प्रतिशत से नीचे और महिला भागीदारी 50–70 प्रतिशत तक पहुंचना आवश्यक है। लेकिन वर्तमान में युवा बेरोजगारी (15–29 वर्ष) अभी भी उच्च है ङ्क शहरी युवाओं में यह 15–20 प्रतिशत तक पहुंच जाती है। शिक्षित युवा स्किल मिसमैच, औद्योगिक मंदी और प्रवासन के कारण नौकरी नहीं पाते। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि पर निर्भरता, मौसमी रोजगार और छिपी बेरोजगारी (अंडर–एम्प्लॉयमेंट) बड़ी समस्या बनी हुई है।

सरकार ने इस चुनौती से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY), मुद्रा योजना, स्टैंड–अप इंडिया, मनरेगा का विस्तार और हाल के विकसित भारत–रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) जैसे प्रयास ग्रामीण–शहरी दोनों क्षेत्रों में रोजगार बढ़ा रहे हैं। स्टार्टअप इकोसिस्टम ने युवाओं को नौकरी देने वाले में बदलना शुरू किया है। 2026 में एआई, ग्रीन एनर्जी, डिजिटल इकोनॉमी, क्विक कॉमर्स और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में लाखों नई नौकरियां आने की उम्मीद है।

फिर भी, 4.8 प्रतिशत की यह मामूली बढ़ोतरी हमें सतर्क करती है। विकसित भारत का सपना तभी पूरा होगा जब आर्थिक विकास के साथ रोजगार सृजन की गति बढ़े, शिक्षा–कौशल को बाजार की मांग से जोड़ा जाए, महिलाओं की भागीदारी बढ़े और निजी क्षेत्र में निवेश बढ़े। सरकार, उद्योग, शिक्षा संस्थान और समाज को मिलकर काम करना होगा।

अंत में, यह आंकड़ा कोई बड़ी हार नहीं है, बल्कि एक चेतावनी है। यदि हम इसे अवसर में बदल सकें – कौशल उन्नयन, नवाचार, उद्यमिता और समावेशी नीतियों के माध्यम से – तो विकसित भारत का सपना न केवल संभव है, बल्कि निकट भविष्य में साकार भी हो सकता है। आने वाले महीनों में बेरोजगारी दर में गिरावट और रोजगार सृजन की तेज गति की उम्मीद है, ताकि हर भारतीय अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सके।

## महायुति की महासफलता

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की महत्वपूर्ण सफलता ने राज्य में बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत दे दिया है, जो आने वाले दशकों में राज्य की भगवा राजनीति की विरासत पर वर्चस्व की दिशा भी तय करेगा। राज्य के विधानसभा चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन द्वारा विपक्ष को करारी शिकस्त देने के एक साल से कुछ अधिक समय के बाद अब सत्तारूढ़ गठबंधन ने राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में अपना दबदबा कायम कर लिया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व वाले बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी के चुनावों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। निश्चित रूप से इस हालिया परिणाम से आने वाले सालों में मुंबई की सत्ता में निर्णायक बदलाव आएगा। अविभाजित पार्टी के रूप में, बाल ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना ने दशकों तक भारत की वित्तीय राजधानी पर शासन किया। लेकिन अब भाजपा की अगुवाई में शिवसेना से अलग हुए एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला गुट बीएमसी में अहम भूमिका निभाएगा। जैसे महाराष्ट्र सरकार में एकनाथ शिंदे उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभा रहे हैं, वैसी बीएमसी में पार्टी की भूमिका रहेगी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दो दशक बाद ठाकरे भाइयों की पार्टियों के एकजुट होकर लड़ने के बावजूद राज्य में महायुति की लहर रुकी नहीं। यही वजह है कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की हाल ही में सामने आई प्रतीकात्मक एकता चुनावी सफलता में बदलने में कामयाब नहीं हो सकी। वहीं दूसरी ओर शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों के बीच गठबंधन पूणे में बुरी तरह विफल हो गया। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र की राजनीति में बीएमसी चुनाव परिणामों के गहरे निहितार्थ रहे हैं। बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी को देश का सबसे धनी नगर निगम होने का गौरव हासिल है। जिसके चलते इसका राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है।

महाराष्ट्र की राजनीति में बीएमसी के महत्व का अंदाजा इसके बजट से लगाया जा सकता है। इसका बजट वर्ष 2025–26 के लिये 74,427 करोड़ रुपये का है, जो हिमाचल प्रदेश और गोवा जैसे राज्यों के बजट से भी अधिक है। ऐसे में हालिया स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन के वर्चस्व के बाद स्थानीय निकाय की नई संरचना का मुंबई के शासन, नीतिगत प्राथमिकताओं और महाराष्ट्र की राजनीतिक गतिशीलता पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। यहां सकारात्मक पहलू यह भी है कि जनता ने विकास की आकांक्षा को तरजीह दी और क्षेत्रीय संकीर्णता के नारे को खारिज किया। चुनाव परिणाम मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विकास के वादे का समर्थन करते हैं। हालांकि, ठाकरे परिवार का 'मराठी मानुष' कार्ड ज्यादा मतदाताओं को आकर्षित नहीं कर पाया। एक बार फिर महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों में कांग्रेस हाशिये पर नजर आई। ऐसे में यह कांग्रेस को फिर से आत्ममंथन का मौका देता है। निर्विवाद रूप से महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों ने विपक्ष के महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है, जिसके घटक दल पहले ही महाराष्ट्र की राजनीति में प्रासंगिक बने रहने के लिये संघर्ष कर रहे हैं।

मौनी अमावस्या– 18 जनवरी, 2026

# अशांति के कोलाहल में शांति का शंखनाद है मौन

-ललित गर्ग-

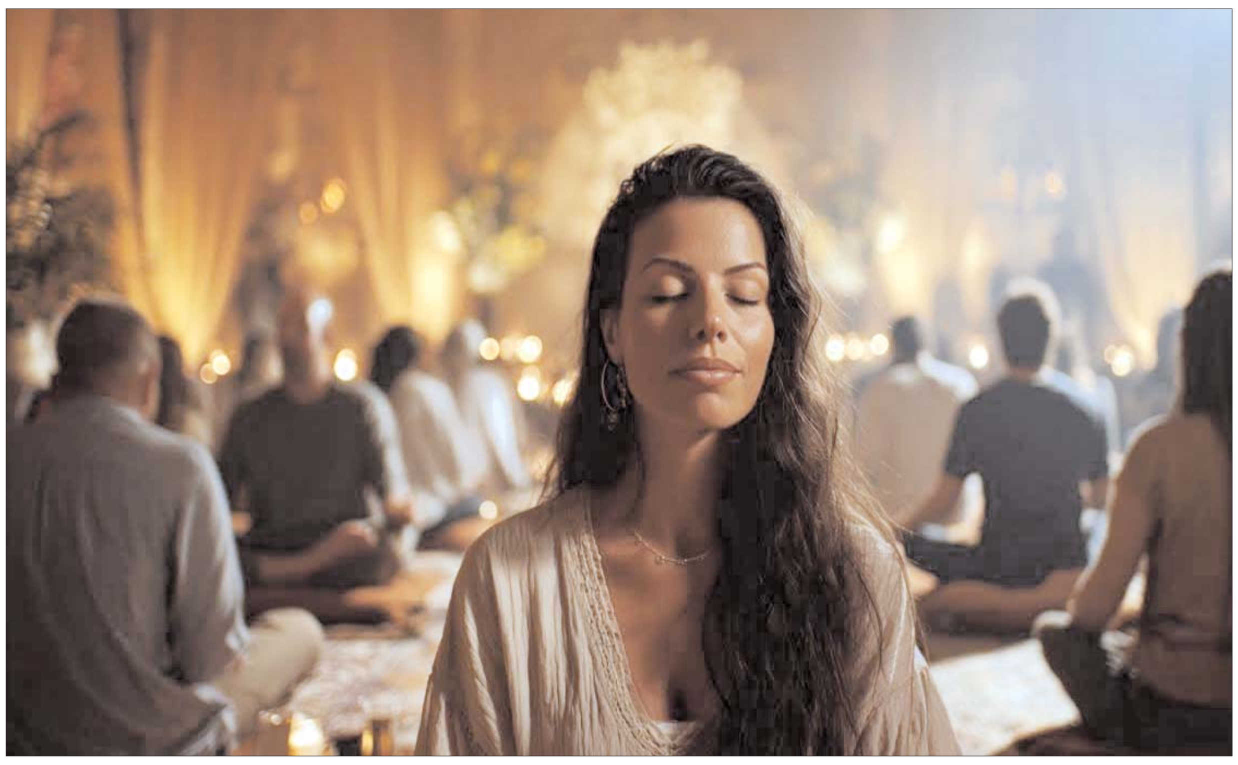

मौन केवल शब्दों का अभाव नहीं है, वह आत्मा की सबसे सघन भाषा है। 18 जनवरी 2026 को आने वाली मौनी अमावस्या इसी मौन की महत्ता को जीवन के केंद्र में प्रतिष्ठित करने का पावन, सिद्ध एवं पवित्र अवसर है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में मौन को जितना ऊँचा स्थान दिया गया है, उतना शायद किसी अन्य साधना को नहीं। ऋषियों ने कहा है कि जहाँ शब्द समाप्त होते हैं, वहीं से सत्य आरंभ होता है। मौन वही बिंदु है जहाँ मन की चंचल तरंगें थमती हैं और चेतना का निर्मल सरोवर प्रकट होता है। यह जीवन का सौंदर्य भी है और ऊर्जा का अक्षय भंडार भी। मौन में शक्ति संचित होती है, दिशा मिलती है और अध्यात्म को गति प्राप्त होती है। मौनी अमावस्या का संबंध केवल कैलेंडर की एक तिथि से नहीं, बल्कि जीवन के गहरे अनुशासन से है। यह दिन मनुष्य को बाहरी कोलाहल से हटाकर अंतर्मुखी होने का निमंत्रण देता है। मौन का अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति निष्क्रिय हो जाए, बल्कि यह कि उसकी चेतना जाग्रत हो जाए। जब वाणी विश्राम करती है, तब विवेक बोलने लगता है। मनुष्य का मन, जो सामान्यतः अतीत और भविष्य के बीच भटकता रहता है, मौन में वर्तमान में टिकना सीखता है। यही एकाग्रता आत्मशुद्धि का द्वार खोलती है। मौन साधना है, तप है और जीवन की आध्यात्मिक ऊँचाई है।

मौनी अमावस्या को अमावस्या का भी विशेष महत्व है। अमावस्या का अंधकार बाहरी रूप से भले ही रिक्तता का संकेत दे, परंतु आध्यात्मिक दृष्टि से यह भीतर की यात्रा का प्रतीक है। जब चंद्रमा अदृश्य होता है, तब मनुष्य के भीतर का चंद्र प्रकट होने की संभावना बनती है। मौन और अमावस्या का यह संयोग आत्मचिंतन को अत्यंत प्रभावशाली बना देता है। इस दिन किया गया मौन–व्रत केवल वाणी का संयम नहीं, बल्कि विचारों का परिष्कार भी है। विचारों की शुद्धि से ही कर्म शुद्ध होते हैं और कर्मों की शुद्धि से जीवन पवित्र बनता है। मौनी अमावस्या का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष पितृ तर्पण और पिंडदान से जुड़ा है। भारतीय संस्कृति में पितरों को केवल अतीत की स्मृति नहीं माना गया, बल्कि वे हमारी चेतना की जड़ें हैं। जिनसे हमें जीवन मिला, जिनके संस्कार हमारे रक्त में प्रवाहित हैं, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना आध्यात्मिक दायित्व है। इस दिन पवित्र नदियों के तट पर या श्रद्धा के साथ घर में किया गया तर्पण और पिंडदान पितरों की आत्मा को शांति प्रदान करता है। ऐसा माना जाता है कि मौनी अमावस्या के दिन किए गए तर्पण से पितृलोक में विशेष संतोष और तृप्ति का संचार होता है।

तर्पण केवल जल अर्पण की क्रिया नहीं है, वह स्मरण की साधना है। जब संतति अपने पूर्वजों को श्रद्धा से याद करती है, तो एक अदृश्य सेतु बनता है जो पीढ़ियों को जोड़ता है। पिंडदान के माध्यम से पितरों की अधूरी कामनाओं को पूर्णता की दिशा मिलती है और उन्हें मोक्ष की ओर अग्रसर होने में सहायता प्राप्त होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि मौनी अमावस्या के दिन किया गया पिंडदान अनेक अमावस्याओं के फल के बराबर होता है, क्योंकि इस दिन मौन की ऊर्जा कर्म को कई गुना प्रभावशाली बना देती है। इस दिन मौन के साथ किया गया तर्पण साधक के भीतर भी गहरा परिवर्तन लाता है। जब व्यक्ति मौन रहकर पितरों का स्मरण करता है, तो उसका अहंकार स्वतः झुक जाता है। उसे यह बोध होता है कि वह अकेला नहीं है, बल्कि एक लंबी परंपरा की कड़ी है। यह बोध जीवन में विनम्रता, करुणा और संतुलन को जन्म देता है। मौन की शांति में किया गया स्मरण केवल पितरों को ही नहीं, स्वयं साधक को भी मुक्त करता है। वह अपने भीतर जमी अनेक ग्रंथियों को खोल पाता है।

मौनी अमावस्या पर मौन धारण करना मन को एकाग्र करने का सशक्त साधन है। मनुष्य का सबसे बड़ा संघर्ष अपने ही मन से है। वाणी जब निरंतर सक्रिय रहती है, तो मन भी बाहर की ओर दौड़ता रहता है। मौन उसे भीतर लौटने का अवसर देता है। इस दिन यदि व्यक्ति कुछ समय के लिए पूर्ण मौन रखे, ध्यान करे, जप करे या केवल श्वास के आवागमन को साक्षी भाव से देखे, तो आत्मा पर जमी धूल स्वतः झड़ने लगती है। यही आत्मशुद्धि है, यही साधना का सार है। मौन जीवन को सुंदर बनाता है क्योंकि वह अनावश्यक को हटाता है। जहाँ मौन है, वहाँ क्रोध, ईर्ष्या और द्वेष स्वतः क्षीण हो जाते हैं। मौन शक्ति का केंद्र इसलिए है क्योंकि वह ऊर्जा को व्यर्थ बिखरने नहीं देता।

जो ऊर्जा शब्दों में नष्ट होती है, वही मौन में संचित होकर साधना बन जाती है। इसी संचित ऊर्जा से व्यक्ति अपने जीवन को ऊँचाई देता है। मौन अध्यात्म की गति है क्योंकि यह सीधे आत्मा से जुड़ता है, किसी माध्यम की आवश्यकता नहीं होती।

वस्तुतः आध्यात्मिक क्षेत्र में मौन का एक विशिष्ट और अपरिहार्य स्थान है। यह कोई साधारण चुप्पी नहीं, बल्कि एक अत्यंत व्यवस्थित और वैज्ञानिक साधना है, जिसे अपनाकर साधक अपनी चित्त–वृत्तियों को विक्षेप से बचा लेता है। मौन के अभ्यास से जीवनी शक्ति और प्राण शक्ति परिपुष्ट होती है। व्यक्ति अपने भीतर एक नई स्फूर्ति, नई ताजगी और आंतरिक ऊर्जा का अनुभव करता है। निरंतर बोलते रहने से न केवल वाणी की प्रभावशीलता क्षीण होती है, बल्कि उससे मस्तिष्क की सूक्ष्म शक्तियों का भी अनावश्यक क्षय होता है। मौन के द्वारा वाणी सुरक्षित होती है, परिष्कृत होती है और उसमें गहन प्रभाव उत्पन्न होता है। अध्यात्म क्षेत्र में जिस वाक्–सिद्धि की चर्चा की जाती है, उसका मूल आधार भी मौन–साधना ही है। कम बोलने वाला व्यक्ति जब बोलता है, तो उसके शब्दों में स्वतः ही वजन और प्रभाव आ जाता है।

महात्मा गांधी अपने जीवन में मौन को विशेष महत्व देते थे। उनकी आत्मकथा से ज्ञात होता है कि वे प्रति सप्ताह एक दिन मौन रखते थे। उनका अनुभव था कि मौन से उन्हें गहरा विश्राम मिलता है और कार्य करने के लिए नई शक्ति का संचार होता है। इसी प्रकार आचार्य तुलसी भी प्रायः प्रतिदिन नियमित रूप से मौन–साधना करते थे। वे कहा करते थे कि मौन से उन्हें अपूर्व आंतरिक आनंद की अनुभूति होती है। यह एक सुनिश्चित तथ्य है कि यदि मौन–साधना के साथ मनोवृत्तियों को आत्मचिंतन में लगा दिया जाए, तो आध्यात्मिक आनंद का निर्झर स्वतः प्रवाहित होने लगता है। महान संत महर्षि रमण के विषय में प्रसिद्ध है कि वे प्रायः मौन ही रहते थे, किंतु उस मौन में इतनी गहन संप्रेषण शक्ति थी कि उनके समीप आने वाले जिज्ञासुओं की जटिलतम समस्याओं का समाधान बिना शब्दों के ही हो जाता था। वस्तुतः मौन एक अंतर्भाषा है– ऐसी भाषा जो शब्दों से परे होकर सीधे आत्मा से संवाद करती है। प्राचीन ऋषि–मुनि अपने शिष्यों को मौन के माध्यम से ही उपदेश देते थे। मौन–साधना से वे सभी सिद्धियाँ प्राप्त की जा सकती हैं, जिनकी प्राप्ति के लिए अन्य कठिन योग–साधनाओं का सहारा लेना पड़ता है। मौन, साधना का शिखर भी है और साधना का आधार भी।

मौनी अमावस्या हमें यह सिखाती है कि जीवन की वास्तविक प्रगति बाहरी उपलब्धियों से नहीं, भीतर की शांति से मापी जाती है। इस दिन का संदेश स्पष्ट है कि कुछ क्षण रुकिए, मौन में उतरिए और अपने मूल से जुड़िए। पितरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर, उनके लिए तर्पण और पिंडदान कर, और स्वयं के लिए मौन साधना अपनाकर मनुष्य अपने जीवन को संतुलित और सार्थक बना सकता है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि मौन कोई रिक्तता नहीं, बल्कि पूर्णता है, कोई कमजोरी नहीं, बल्कि अपार शक्ति है।

अंततः मौनी अमावस्या आत्मा का पर्व है। यह न केवल पितरों को मोक्ष की दिशा में ले जाने वाला अवसर है, बल्कि जीवित मनुष्य के लिए भी आंतरिक मुक्ति का द्वार है। मौन के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर के शोर से मुक्त होता है, और जब भीतर शांति स्थापित होती है, तभी जीवन में सत्य, करुणा और चेतना का प्रकाश फैलता है।

मौनी अमावस्या हमें इसी प्रकाश की ओर अग्रसर होने का मौन आमंत्रण देती है। अशांति के कोलाहल में शांति का शंखनाद है मौन।

# टाईम पास

## काकुरो पहेली - 3774

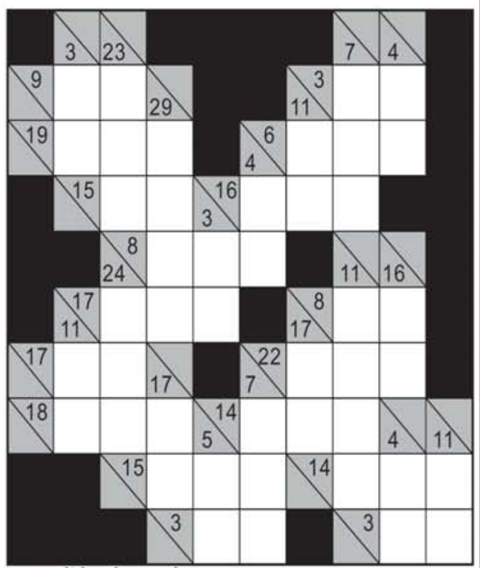

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

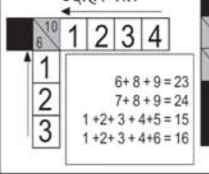

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

### काकुरो - 3773 का हल

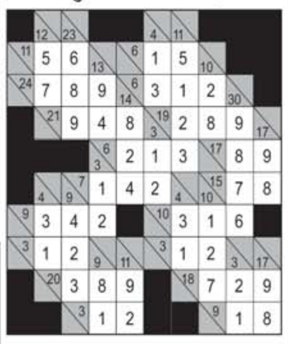

## हंसी के फूव्वारें

एक अभिनेत्री ने ब्यूटी-क्लीनिक की मालकिन से अपने चेहरे के दाग को मिटाने का रेट पूछा.
'पांच सौ रुपये लगेंगे !'
'पांच सौ तो ज्यादा हैं !'
'फिर ?'
'कोई सस्ता तरीका बताइए !'
'सस्ता नहीं मुफ्त का तरीका है.'
'कृपया जल्दी बताइये !'
' घूंघट निकालना शुरू कर दीजिए! आपका काम मुफ्त में बन जायेगा.'

□ □ □

एक आंखों के डाक्टर ने अपने एक सर्जन मित्र को नजर का चश्मा बनाकर दिया. संयोग से उसी दिन आंखों के डाक्टर को उसी सर्जन से अपना ऑपरेशन करवाना पड़ा.

फिर जब वह ऑपरेशन टेबल पर लेट गया तो सर्जन चश्मा लगाकर बोला- 'रेडी ! मैं तैयार हो गया हूँ ! अब तुम बताओ कि तुम कहां हो?'

आंखों का डाक्टर तुरन्त मेज से कूद पड़ा.

□ □ □

प्रशंसिका: ''आपके उपन्यास का अंतिम सीन बहुत अच्छा है.''
उपन्यासकार: ''उपन्यास के आरंभ के विषय में आपका क्या विचार है?''
प्रशंसिका: ''मैं उसे अभी पढ़ना शुरू करने वाली हूँ.''

□ □ □

## फिल्म वर्ग पहेली- 3774

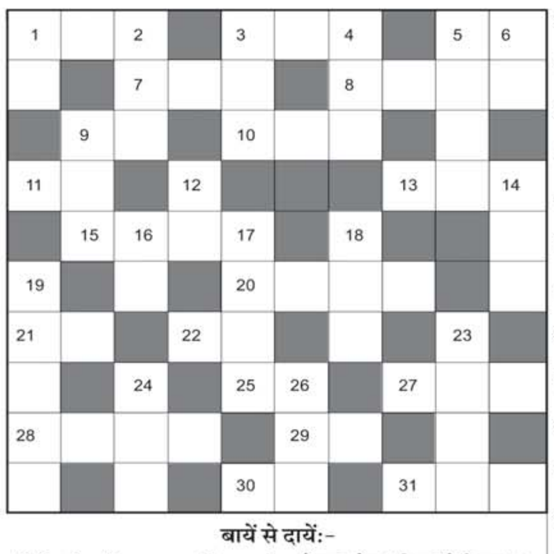

### बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

### ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

### फिल्म वर्ग पहेली- 3773

## सूडोकु -3774

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 8 | | | | 1 | 5 | |
| 2 | | | | | 1 | 8 | | |
| 3 | | | 4 | | 6 | 7 | | 9 |
| 5 | | | | | 9 | | | |
| | 9 | | 2 | 3 | 4 | | 7 | |
| | | | 1 | | | | | 8 |
| 4 | | 7 | 6 | | 5 | | | 1 |
| | | 6 | 7 | | | | | 4 |
| | 5 | 3 | | | | 2 | | |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -3773 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 9 | 7 | 5 | 2 | 1 | 4 | 8 | 6 |
| 5 | 4 | 2 | 9 | 6 | 8 | 7 | 1 | 3 |
| 8 | 6 | 1 | 3 | 7 | 4 | 9 | 5 | 2 |
| 2 | 8 | 9 | 1 | 5 | 3 | 6 | 4 | 7 |
| 4 | 7 | 3 | 2 | 8 | 6 | 5 | 9 | 1 |
| 6 | 1 | 5 | 4 | 9 | 7 | 2 | 3 | 8 |
| 9 | 3 | 4 | 7 | 1 | 2 | 8 | 6 | 5 |
| 7 | 5 | 6 | 8 | 3 | 9 | 1 | 2 | 4 |
| 1 | 2 | 8 | 6 | 4 | 5 | 3 | 7 | 9 |

## शब्द पहेली - 3774

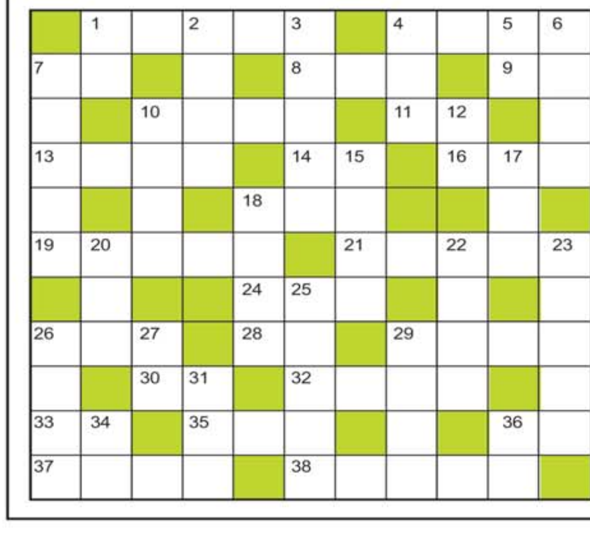

### बाएँ से दाएँ

1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

### ऊपर से नीचे

1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

### शब्द पहेली - 3773 का हल

# नोएडा इंटरनेशनल कनेक्टिविटी के लिए दो आरआरटीएस कॉरिडोर

## गाजियाबाद-जेवर आरआरटीएस : नो चेंज! दूसरा गुरुग्राम से सुरजपुर, ये होगी मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी

**नोएडा।** गाजियाबाद को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) से जोड़ने वाला प्रस्तावित 72 किलोमीटर लंबा रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम कॉरिडोर अपने मौजूदा अलाइनमेंट पर ही रहेगा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने 29 दिसंबर को हुई बैठक के बाद स्पष्ट किया कि इस कॉरिडोर में किसी तरह के बदलाव या रि-डिजाइन का कोई प्रस्ताव नहीं है।

अधिकारियों ने यह भी साफ किया कि गुरुग्राम के इफ्को चौक से फरीदाबाद होते हुए सूरजपुर तक प्रस्तावित लगभग 60 किलोमीटर लंबा एक अलग आरआरटीएस कॉरिडोर है। ये दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (IGI) एयरपोर्ट तक बेहतर कनेक्टिविटी के लिए योजना है। हालांकि, इसका उद्देश्य गाजियाबाद-जेवर आरआरटीएस का विकल्प बनना नहीं है, बल्कि यह एक पूरक लिंक के रूप में विकसित किया जा रहा है।

यीडा अधिकारियों के अनुसार, पहले जेवर के लिए दिल्ली से सीधे कनेक्टिविटी पर विचार किया गया था। लेकिन अब वर्तमान में गाजियाबाद-जेवर अलाइनमेंट को बदलने की कोई योजना नहीं है। यह कॉरिडोर गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा वेस्ट और यमुना एक्सप्रेसवे के आसपास विकसित हो रहे शहरी व औद्योगिक क्षेत्रों के लिए हाई-स्पीड एयरपोर्ट कनेक्टिविटी की रीढ़ माना जा रहा है।

### एनसीआरटीसी की डीपीआर के अनुसार

नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन द्वारा तैयार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के मुताबिक, गाजियाबाद-जेवर आरआरटीएस एक एलिवेटेड, इंटीग्रेटेड आरआरटीएस-कम-मेट्रो लाइन होगी, जिसकी कुल लंबाई 72.44 किमी होगी। इसमें एयरपोर्ट क्षेत्र के भीतर 1.1 किमी का अंडरग्राउंड

सेक्शन भी शामिल है। कॉरिडोर पर कुल 22 स्टेशन प्रस्तावित हैं। 11 इंटीग्रेटेड आरआरटीएस-कम-मेट्रो स्टेशन और 11 केवल मेट्रो स्टेशन।

भविष्य में 12 अतिरिक्त मेट्रो स्टेशनों का भी प्रावधान रखा गया है। परियोजना की अनुमानित लागत करीब 20,360 करोड़ रुपए है और निर्माण अवधि लगभग पांच वर्ष आंकी गई है।

इसका अलाइनमेंट गाजियाबाद के सिद्धार्थ विहार से शुरू होकर ग्रेटर नोएडा वेस्ट के चार मूर्ति चौक, नॉलेज पार्क-5, पुलिस लाइंस, सूरजपुर और अल्फा-1 से गुजरते हुए यमुना सिटी के सेक्टर 18 और 21 से होते हुए नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक जाएगा।

### मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी

कॉरिडोर को मल्टी-मॉडल इंटीग्रेशन को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। गाजियाबाद में यह दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस और रेड लाइन मेट्रो से जुड़ेगा। चार मूर्ति चौक पर प्रस्तावित एक्वा लाइन एक्सटेंशन, अल्फा-1 पर मौजूदा एक्वा लाइन, सूरजपुर पर प्रस्तावित गुरुग्राम-फरीदाबाद-नोएडा आरआरटीएस और एयरपोर्ट पर टर्मिनल, पार्किंग व प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल नेटवर्क से सीधा कनेक्शन मिलेगा।

### ड्राफ्ट डीपीआर में गुरुग्राम फरीदाबाद सूरजपुर आरआरटीएस

वहीं, गुरुग्राम-फरीदाबाद-सूरजपुर आरआरटीएस कॉरिडोर फिलहाल ड्राफ्ट DPR चरण में है। इसके अलाइनमेंट को लेकर हरियाणा सरकार और हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन के बीच विचार-विमर्श चल रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह कॉरिडोर आईजीआई एयरपोर्ट से आने-जाने वाले यात्रियों के लिए एक प्रमुख फीडर के रूप में काम करेगा।

डीपीआर के अनुसार, आरआरटीएस नेटवर्क के माध्यम से आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 से जेवर एयरपोर्ट तक यात्रा समय घटकर लगभग 60-70 मिनट रह सकता है। यह सड़क मार्ग की तुलना में कहीं तेज विकल्प होगा। खासतौर पर गाजियाबाद-जेवर कॉरिडोर को एनसीआर के पूर्वी हिस्से के निवासियों के लिए एयरपोर्ट कनेक्टिविटी की रीढ़ माना जा रहा है।

### गाजियाबाद जेवर आरआरटीएस को महुआ भेजा गया

गौरतलब है कि गाजियाबाद-जेवर आरआरटीएस की संशोधित डीपीआर को उत्तर प्रदेश सरकार ने 8 दिसंबर 2025 को मंजूरी दे दी थी, जिसके बाद इसे अंतिम स्वीकृति के लिए केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय को भेजा गया है। अधिकारियों का कहना है कि मूल अलाइनमेंट को बनाए रखना भूमि अधिग्रहण, स्टेशन प्लानिंग और नेटवर्क इंटीग्रेशन को समय पर पूरा करने के लिए बेहद जरूरी है।

# नोएडा पुलिस एआई से करेगी क्राइम कंट्रोल

## यक्ष ऐप में डेटा किया जा रहा स्टोर, लखनऊ से होगी सीधी मॉनिटरिंग

**नोएडा।** शहर में क्राइम को कंट्रोल और मॉनिटरिंग के लिए पुलिस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा लेना शुरू कर दिया है। इसके लिए यूपी पुलिस के एआई आधारित 'यक्ष' ऐप के लिए अपराध और अपराधियों के लिए हर थाने में डिजिटल कुंडली तैयार की जा रही है। थाने स्तर पर चौकी व बीट इंचार्ज से अपराधियों व अपराध से जुड़े डेटा की फीडिंग करवाई जा रही है।

अपराधी, अपराध, अपराध के हॉटस्पॉट व अन्य ब्यौरा फीड होने के बाद एआई के जरिए पुलिस छोटी सी छोटी जानकारी आसानी से मिलनी शुरू हो जाएगी। अभी तक जितने डेटा की फीडिंग हो गई है उससे पुलिस ने ट्रायल के तौर पर मदद लेनी शुरू कर दी है। इसके परिणाम सकारात्मक रहे हैं। नोएडा पुलिस दिल्ली के उन अपराधियों व गैंग का भी ब्यौरा ऐप के लिए डिजिटली तैयार कर रही है

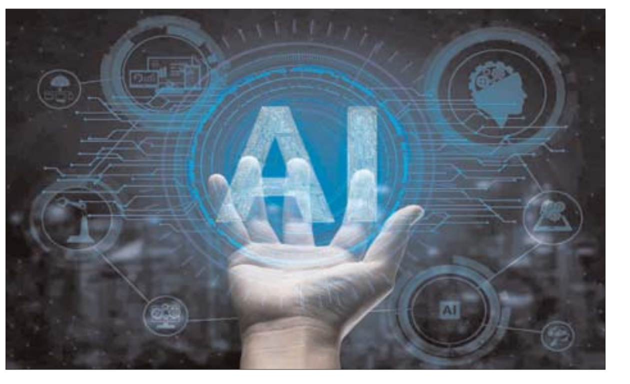


जिनकी शहर में सक्रियता रहती है।

### अपराध के पैटर्न को किया जा रहा फीड

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ऐप को लेकर बीट स्तर तक पर प्रशिक्षण दिया गया है। एआई आधारित इस ऐप पर जितना ज्यादा डेटा फीड किया जाएगा उतना ही मददगार होगा। अपराधियों के साथ उनके क्षेत्र, अपराध के पैटर्न को भी फीड किया जा रहा है। ऐसे में अगर किसी क्षेत्र में कोई अपराध होता है तो उस पैटर्न से जुड़े अपराधियों का ब्यौरा पुलिस के पास होगा।

### थानों से पकड़े अपराधियों की फोटो अपलोड की जा रही

फिर कौन सा अपराधी जेल में है और कौन बाहर इस हिसाब से पुलिस के लिए छटनी आसान होगी। सभी 26 थानों में जो अपराधी पकड़े जा रहे हैं और जो फरार हैं उनके फोटो की फीडिंग भी की जा रही है। बीट कॉन्स्टेबल अपने क्षेत्र में संदिग्ध लोगों की गतिविधि व उनके फोटो को भी रखेंगे और ऐप के जरिए रिपोर्ट करेंगे।

### लखनऊ से होगी ऐप की मॉनिटरिंग

जल्द ही हर थाने के हिस्ट्रीशीटर, वांछित अपराधी, सक्रिय अपराधी, गैंग इस ऐप पर दिखने लगेंगे। अगर अपराधी नोएडा से ठिकाना बदल कर गाजियाबाद या प्रदेश के किसी दूसरे जिले में जाकर रहने लगता है। सत्यापन में यह बात सामने आने पर बीट प्रभारी इसे रिपोर्ट करेंगे तो उस जिले की पुलिस उस अपराधी की निगरानी शुरू कर देगी। ऐप की पूरी निगरानी लखनऊ स्थित पुलिस मुख्यालय से की जा रही है।

# अंधेरे में इरोज सम्पूर्णम सोसाइटी, घंटों से बिजली गुल

## भड़के निवासियों ने सड़क पर उतरकर लगाया जाम

एजेंसी

**ग्रेटर नोएडा।** ग्रेनो वेस्ट की हाईराइज सोसायटियों में सुविधाओं के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च करने वाले लोग अब सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं।

इरोज सम्पूर्णम सोसाइटी में पिछले कई घंटों से बिजली नहीं है, जिसके विरोध में रेजिडेंट्स ने चक्का जाम कर दिया है।

मौके पर पहुँची थाना बिसरख पुलिस और अधिकारियों ने सोसाइटी के लोगों को समझाकर वहाँ से वापस भेज दिया गया है। पुलिस बल मौके पर मौजूद है।

बता दे कि मामला ग्रेटर नोएडा वेस्ट की इरोज सम्पूर्णम सोसाइटी का है। यहाँ नारों की गूँज और सड़क पर लगी ये भीड़ उन परेशान इरोज सम्पूर्णम सोसाइटी के निवासियों की है जो पिछले कई घंटों से बिना बिजली के रहने को मजबूर हैं। अंधेरे में डूबी इस सोसाइटी के लोगों का आरोप है कि मेंटेनेंस के नाम पर मोटी रकम वसूली जाती है, लेकिन घंटों बिजली कट होने पर कोई सुनने वाला नहीं है।

इरोज सम्पूर्णम सोसाइटी के निवासियों का कहना है कि बार-बार की शिकायतों के बावजूद जब बिजली बहाल नहीं हुई, तो उन्हे सोसाइटी के सामने वाली मुख्य सड़क को जाम करना पड़ा।

सड़क जाम होने के कारण ग्रेटर नोएडा वेस्ट की मुख्य सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं और ऑफिस से घर लौट रहे लोगों को भारी ट्रैफिक का सामना करना पड़ रहा है। मौके पर पहुंचे पुलिस बल ने लोगों को सोसाइटी के लोगों को समझाकर वहाँ से वापस भेज दिया गया है और जाम को खुलवाया जा रहा है।

# जेवर एयरपोर्ट विस्तार के लिए जमीन अधिग्रहण शुरू

**जेवर।** ग्रेटर नोएडा के जेवर में निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परियोजना के विस्तार के लिए जमीन अधिग्रहण के अगले चरण का अवार्ड घोषित कर दिया गया है। जिला प्रशासन ने यह कदम उठाते हुए चार गांवों की भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को आगे बढ़ा दिया है।

अधिग्रहण की जद में आने वाले गांवों में दयानतपुर, अहमदपुर चौरौली, रोही और सबोता मुस्तफाबाद शामिल हैं। प्रशासन के अनुसार, इन गांवों के किसानों को शीघ्र ही मुआवजा वितरित किया जाएगा।

मुआवजा वितरण की प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां कर ली हैं। इसी क्रम में चारों गांवों के किसानों को 20 जनवरी को अपर जिला अधिकारी (भू-अध्यापित) के कार्यालय में बुलाया गया है। बैठक के दौरान किसानों को उनकी अधिग्रहित भूमि के बदले मिलने वाली मुआवजा राशि से जुड़ी पूरी जानकारी दी जाएगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परियोजना को क्षेत्रीय विकास और रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दृष्टि से अहम माना जा रहा है।

अपर जिला अधिकारी (भू-अध्यापित) बच्चू सिंह ने बताया कि अवार्ड घोषित होने के बाद अब मुआवजा वितरण की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी भूमि के मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित राशि का भुगतान किया जाएगा। प्रशासन का प्रयास है कि किसानों को किसी तरह की असुविधा न हो और सभी औपचारिकताएं तय समय सीमा के भीतर पूरी कर ली जाएं।

# हिन्दू सम्मेलन की तैयारियों पर बैठक

**जेवर।** ग्रेटर नोएडा की रानी लक्ष्मीबाई बस्ती में आगामी 1 फरवरी को होने वाले हिन्दू सम्मेलन की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक शनिवार को संयोजन समिति द्वारा गामा-2, डेल्टा-3 और आशियाना ऑर्चिड क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि इन सभी सेक्टरों के निवासियों से जनसंपर्क कर उन्हें हिन्दू सम्मेलन में बड़ी संख्या में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सम्मेलन से पहले एक तुलसी कलश यात्रा निकालने की योजना पर भी चर्चा हुई। यात्रा को धार्मिक और सांस्कृतिक स्वरूप देने के लिए उसके मार्ग, सहभागिता और आवश्यक व्यवस्थाओं पर जिम्मेदारियां तय की गईं। कार्यक्रम स्थल पर अनुशासन, स्वच्छता, प्रचार-प्रसार और स्वयंसेवकों की भूमिका जैसे विषयों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

# कोहरे का कहर, नाले की दीवार तोड़ मॉल के बेसमेंट में गिरी तेज रफ्तार कार, युवक की मौत

**ग्रेटर नोएडा।** थाना नॉलेज पार्क इलाके से घने कोहरे और खराब विजिबिलिटी के बीच सेक्टर-150 मोड़ पर एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर नाले की बाउंड्री तोड़ते हुए सीधे एक निर्माणाधीन मॉल के बेसमेंट में जा गिरी।

बेसमेंट में भारी मात्रा में पानी भरा हुआ था, जिसमें कार सवार युवक फंस गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और NDRF की टीम ने कार सवार युवक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

बता दे कि घंटों चले सर्च ऑपरेशन के बाद NDRF की टीम ने कार सवार युवक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान 27 वर्षीय युवराज मेहता के रूप में हुई है, जो नोएडा के ही सेक्टर-150 का निवासी था। युवराज अपने पिता राजकुमार मेहता का

इकलौता सहारा था।

घटना 16 और 17 जनवरी की दरमियानी रात की है। युवराज घर जा रहा था, रफ्तार तेज होने के कारण कार अनियंत्रित होकर नाले की बाउंड्री तोड़ते हुए सीधे एक निर्माणाधीन मॉल के बेसमेंट में जा गिरी।

बताया जा रहा है कि बेसमेंट में भारी मात्रा में पानी भरा हुआ था, जिसमें कार सवार युवक फंस गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस की पीआरवी टीम मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत फायर स्टेशन और NDRF की टीमों को बुलाया गया।

पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक को बचाने की हर संभव कोशिश की। लेकिन उसे बचाया नही जा सका. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

शुरुआती जांच में हादसे का कारण घना कोहरा और मोड़ पर विजिबिलिटी कम होना बताया जा रहा है।

# अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

**रेकी कर उड़ाते थे गाड़ियां, 15 गाड़ियां बरामद**

**नोएडा। वकार सैफी।** थाना सेक्टर-58 पुलिस ने एक ऐसे शातिर अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है जिसने दिल्ली-एनसीआर में सौ से ज्यादा दोपहिया वाहनों की चोरी कर पुलिस की नाक में दम कर रखा था। पुलिस ने इस गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की 15 गाड़ियां बरामद की हैं।

बता दे कि पुलिस की गिरफ्त में खडे ये दोनो शातिर वाहन चोर है, जो पलक झपकते ही भीड़भाड़ वाले इलाकों से आपकी बाइक या स्कूटी पार कर देते थे।

थाना सेक्टर-58 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस की मदद से खोड़ा रोड स्थित एनआईबी चौकी बॉर्डर के पास से अनुराग पांडे और देवदत्त शर्मा नाम के दो आरोपियों को धर दबोचा। इनके कब्जे से नोएडा और दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से चोरी की गई 15 मोटरसाइकिल और स्कूटी बरामद हुई हैं। डीसीपी नोएडा ने बताया कि पूछताछ में जो खुलासे हुए हैं, वो चौंकाने वाले हैं।

ये शातिर चोर पहले भीड़भाड़ वाली मार्केट और कंपनियों की पार्किंग की रेकी करते थे। मौका मिलते ही वाहन चोरी कर उसे किसी सुनसान जगह पर छिपा देते थे। पकड़े जाने के डर से ये लोग समय-समय पर गाड़ियां छिपाने की जगह बदलते रहते थे।

आरोपियों ने कुबूल किया है कि वे अब तक दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में 100 से ज्यादा वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुके हैं।

बरामद वाहनों में सेक्टर-76, सेक्टर-20 और सेक्टर-58 नोएडा के साथ-साथ दिल्ली के जगतपुरी और गाजीपुर इलाकों से चोरी की गई गाड़ियां शामिल हैं।

इन सभी के खिलाफ नोएडा और दिल्ली के विभिन्न थानों में मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस के मुताबिक ये दोनों पेशेवर अपराधी हैं और पहले भी कई बार जेल जा चुके हैं।

# जेवर के दयानतपुर गांव में सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण

## तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज, प्रशासन की सख्त कार्रवाई

**जेवर।** ग्रेटर नोएडा के जेवर तहसील क्षेत्र स्थित दयानतपुर गांव में सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव के तीन व्यक्तियों ने नियमों का उल्लंघन कर सरकारी भूमि पर कब्जा कर निर्माण कार्य किया। शिकायत के बावजूद आरोपियों ने निर्माण हटाने में कोई रुचि नहीं दिखाई, जिसके बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार, दयानतपुर गांव में महेश, मुकेश और कुमारपाल नामक व्यक्तियों ने सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण किया था। इस संबंध में स्थानीय स्तर पर शिकायत प्राप्त हुई, जिसके बाद लेखपाल प्रदीप ने मौके पर जाकर जांच की। जांच में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की पुष्टि हुई। लेखपाल ने आरोपियों को कई बार निर्माण हटाने के निर्देश दिए, लेकिन उन्होंने इन आदेशों की अनदेखी की।

लगातार चेतावनियों के बावजूद अवैध निर्माण नहीं हटाए जाने पर लेखपाल प्रदीप ने शनिवार को जेवर कोतवाली में तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

# शार्ट न्यूज

## युवती से मारपीट, जबरन शादी का दबाव

**जेवर।** ग्रेटर नोएडा के जेवर क्षेत्र में एक युवती के साथ मारपीट और जबरन शादी का दबाव बनाने का मामला सामने आया है। पीड़ित पिता की शिकायत पर शनिवार को जेवर कोतवाली पुलिस ने पिता-पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित पिता ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी कुछ महीने पहले अलीगढ़ में अपने मामा के घर गई थी। वहां उसकी मुलाकात आजाद नामक युवक से हुई। बातचीत के दौरान आजाद ने फोन पर ही युवती पर शादी के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया। युवती ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और कुछ समय बाद अपने गांव लौट आई। आरोप है कि शादी से इनकार करने के बाद शुक्रवार को आरोपी आजाद अपने पिता अली खान के साथ पीड़ित के घर पहुंचा। उस समय युवती घर में अकेली थी। आरोपियों ने युवती के साथ मारपीट की और उस पर जबरन शादी करने का दबाव बनाया। विरोध करने पर उन्होंने युवती और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। शाम को जब पीड़ित पिता घर लौटे, तो बेटी ने उन्हें पूरी घटना बताई। इसके बाद पीड़ित पिता ने जेवर कोतवाली पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई।

## नोएडा में रोड एक्सीडेंट में युवक की मौत

**नोएडा।** नोएडा में सड़क दुर्घटना में घायल युवक की अस्पताल में मौत हो गई। जिसके बाद परिजन डेड बॉडी को लेकर सेक्टर-57 चौकी पहुंच गए। बॉडी को सड़क पर रख प्रदर्शन किया। चेन बनाकर एक तरफ के यातायात को रोक दिया। पुलिस के खिलाफ जमकर नारे बाजी की। मृतक युवक के बड़े भाई दीपक गुप्ता ने कहा कि पांच दिन हो गए अभी तक आरोपी को पकड़ा नहीं गया। हमे न्याय नहीं मिला। उलटा हम पर ही एक्शन लेने की बात की जा रही है। जब तक न्याय नहीं मिलेगा हम यहां से नही जाएंगे। दरअसल 12 जनवरी को सेक्टर-53 के पास बस ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी थी। इस घटना में बाइक सवार सक्षम गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। उसे नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां इलाज के दौरान आज दोपहर सक्षम की मौत हो गई। मामले में गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी निवासी दीपक गुप्ता ने एफआईआर दर्ज भी कराई है। मौत के बाद परिजन और लोगों ने आक्रोश बढ़ गया। वो अस्पताल से बॉडी को लेकर सीधे सेक्टर-57 चौकी पहुंचे और वहीं बैठ गए। प्रदर्शन करने लगे और पुलिस के खिलाफ नारे बाजी की।

## नोएडा इंजीनियर की मौत हादसा या लापरवाही

**नोएडा।** घने कोहरे ने एक साफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की जान ले ली। वो अपनी ग्रेंड विटारा कार से गुरुग्राम से नोएडा के सेक्टर-150 टाटा यूरिका पार्क सेक्टर-150 रहा था। यहां एटीएस ले ग्रांड के पास कार नाले की दीवार को तोड़ते हुए उसमें गिर गई। पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। ये कार सेक्टर-150 के खाली प्लॉट में गिरी। जिसमें करीब 70 फीट तक पानी भरा हुआ है। आसपास के निवासियों ने अपना विरोध दर्ज किया। उनका कहना है ये हादसा सिर्फ नोएडा प्राधिकरण की लापरवाही की वजह से हुआ। इस कट पर पहले भी हादसे हो चुके है। जिसके चलते कई बार प्राधिकरण को यहां बेरिकेडिंग और रिफ्लेक्टर लगाने के लिए कहा गया, लेकिन यहां कुछ नहीं किया गया। जब मामला बढ़ा तो। प्राधिकरण ने देर शाम घटना स्थल के पास सैकड़ों टन मलबा गिरा दिया। आरोप ये भी है कि यहां डायवर्जन का बोर्ड भी लगाने जा रहे थे। लेकिन निवासियों के प्रदर्शन के चलते मौजूदगी के चलते इसे नहीं लगाया जा सका। दरअसल ये प्लाट एससी-02 सेक्टर-150 है। ये प्लाट अभी खाली है। इसमें निर्माण किया जाना है।

## नोएडा में 23 जनवरी को होगा ब्लैक आउट

**नोएडा।** नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर 23 जनवरी को नोएडा में ब्लैकआउट मॉक ड्रिल की जाएगी। इसको लेकर एक बैठक शनिवार को शारदा यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा में की गई। ये बैठक जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रियंका ने ब्लैक आउट मॉक ड्रिल की पूरी कार्ययोजना का प्रजेंटेशन डीएम के समक्ष किया। उन्होंने बताया कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा, राहत एवं बचाव कार्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना व विभागों के आपसी समन्वय का अभ्यास करना है। मॉक ड्रिल के दौरान हवाई हमले की चेतावनी के लिए सायरन बजाया जाएगा। इसके साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में बिजली सप्लाई बाधित कर ब्लैक आउट किया जाएगा। नागरिकों द्वारा सुरक्षित रूप से जमीन पर लेट कर शरण लेने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया जाएगा। हवाई हमला समाप्त होने पर आल क्लियर सायरन बजाया जाएगा।

## ग्रेटर नोएडा में दो पक्षों में मारपीट

**गौतम बुद्ध नगर।** ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच लाठी-डंडों से मारपीट का मामला सामने आया है। इस दौरान एक महिला को भी पीटा गया। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। दादरी कस्बे के तुलसी विहार निवासी भीम सिंह ने बताया कि रात में उनके पड़ोसियों ने उन पर हमला कर दिया। भीम सिंह के अनुसार, जब वह अपनी पत्नी के साथ दुकान के बाहर मौजूद थे, तभी तीन से चार लोग लाठी-डंडे लेकर आए। उन्होंने गाली-गलौज करते हुए उन पर हमला कर दिया। मारपीट की यह घटना दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में साफ दिख रहा है कि दो से तीन लोग हाथों में लाठी-डंडे लेकर आते हैं और मारपीट शुरू कर देते हैं। इस दौरान उन्होंने एक महिला को भी लाठी से मारा। पुलिस ने इस मामले पर बताया कि दोनों पक्ष पड़ोसी हैं। किसी बात को लेकर उनके बीच विवाद हुआ था, जिसके बाद यह मारपीट शुरू हो गई। पुलिस ने पीड़ित पक्ष का मेडिकल कराया है और मामले में वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

## दस से अधिक इलाकों में लीकेज की समस्या दूर

**ग्रेटर नोएडा।** दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायतों पर जल और सीवर विभाग ने पाइप लाइन में लीकेज और सीवर ओवरफ्लो की समस्या दूर करने का काम तेज कर दिया है। पिछले दो दिन में 10 से अधिक स्थानों पर लीकेज ठीक की गई। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम लीकेज का पता लगाने के लिए सर्वेक्षण करा रही है। साथ ही शिकायतों वाले इलाकों में तुरंत पहुंच रही, जबकि पहले समस्या के समाधान में कई दिन लग जाते थे। शुक्रवार और शनिवार को सेक्टर अल्फा-टू, लेबर चौक के पास सर्विस मार्ग पर समेत अलग-अलग गलियों में लीकेज की समस्या दूर की गई।अल्फा-टू में ही दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत सबसे ज्यादा थी। दूषित पेयजल से 100 से अधिक लोगों ने पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत की थी। इसके अलावा सेक्टर बीटा-वन के ई ब्लॉक में सीवर ओवरफ्लो की समस्या का भी समाधान किया गया। एसीईओ सुनील कुमार सिंह ने बताया कि पेयजल पाइप लाइन की लगातार निगरानी की जा रही।

## अधिग्रहित जमीन पर अवैध खनन

**दादरी।** ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अधिग्रहित चिटहेरा गांव की भूमि पर अवैध रूप से मिट्टी का खनन करने का मामला सामने आया है। प्राधिकरण ने इस मामले में दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। इससे पहले भी अवैध खनन के मामले सामने आ चुके हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण चिटहेरा गांव की काफी भूमि का अधिग्रहण कर चुका है। प्रभावित किसान मुआवजा भी ले चुके हैं। खाली पड़ी भूमि पर चोरी छिपे बड़े पैमाने पर मिट्टी का खनन किया जा रहा है। इसकी जानकारी होने पर प्राधिकरण के सहायक प्रबंधक राजीव कुमार ने दादरी कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है।अधिकारी के मुताबिक गांव के खसरा संख्या-135 और 136 से काफी मात्रा में मिट्टी का अवैध खनन किया गया है। प्राधिकरण की ओर से इस मामले में चिटहेरा गांव के ही जतिन और सुजीत पर मुकदमा दर्ज कराया गया है। खनन माफिया पर सख्त नहीं – दादरी तहसील के अंतर्गत आने वाले प्राधिकरण के गांवों में बड़े पैमाने पर खनन किया जा रहा है। रात के समय ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ खनन किया जाता है। पूरी रात जेसीबी मशीन मिट्टी का खनन करने का कार्य करती हैं।

# यूपी में कोहरे का कहर, बच्ची समेत 7 की मौत

## 15 जिलों में 40 गाड़ियां भिड़ीं, 100 ट्रेनें लेट, 9 शहरों में स्कूल बंद

**उत्तर प्रदेश**। यूपी में शनिवार को सीजन का सबसे घना कोहरा पड़ा। हालत इतने खराब हो गए कि सड़कों पर कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। गाड़ियों की लाइटें भी नजर नहीं आ रही थीं। मेरठ, बाराबंकी समेत 15 जिलों में 40 से ज्यादा गाड़ियां टकराईं। डेढ़ साल की बच्ची समेत 7 की मौत हो गई। 50 से ज्यादा घायल हैं।

फतेहपुर में एनएच-2 पर 10 गाड़ियां टकराईं। यहां कार ड्राइवर की मौत हो गई। मुरादाबाद में ट्रक ने बाइक सवारों को रौंद दिया, जिसमें जीजा की जान चली गई। ऐसे ही सुल्तानपुर में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप को एक वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे 3 की मौत हो गई। वहीं, मेरठ में कोहरे की वजह से कार नाले में गिर गई। हादसे में डेढ़ साल की बच्ची की जान चली गई।

विजिबिलिटी कम होने से रेलवे और हवाई सफर भी प्रभावित रहा। गोरखपुर, वाराणसी समेत तमाम स्टेशनों पर 100 से ज्यादा ट्रेनें लेट हैं। वीआईपी ट्रेनें भी समय पर नहीं हैं। लखनऊ एयरपोर्ट्स पर इंडिगो की 2 फ्लाइट्स कैंसिल हैं। इसके अलावा 14 उड़ानें देरी से उड़ीं।

प्रदेश के 53 जिलों में घना कोहरा रहा। कई जगह विजिबिलिटी 0 रही। शीतलहर से बारिश जैसा महसूस हुआ। पिछले 24 घंटे की बात करें तो बाराबंकी 3.5 के साथ सबसे ठंडा रहा।

ठंड के चलते नोएडा, ग्रेटर नोएडा, बरेली, मेरठ, सहारनपुर, बदायूं और संभल में 8वीं तक के स्कूल बंद हैं। प्रयागराज और शाहजहांपुर में 12वीं तक के स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। मौसम विभाग का कहना है कि पहाड़ों पर बर्फबारी से मौसम पलट गया है। 4-5 दिन और भी कड़ाके की ठंड पड़ेगी।

## मुस्लिम छात्रों को पीटने वाले का हंसते हुए सरेंडर

**बरेली**। बरेली के एक कैफे में 20 दिन पहले मुस्लिम छात्रों को पीट दिया गया था। शनिवार को इस घटना के मुख्य आरोपी ने पुलिस की चकमा देकर कोर्ट में सरेंडर कर दिया। वह आराम से कोर्ट पहुंचा। साथियों के साथ बातचीत करते हुए ठहाके लगाए। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसमें उसके चेहरे पर पुलिस की कार्रवाई का कोई खौफ नजर नहीं आ रहा। वहीं, पुलिस उसके साथियों को जेल भेजकर उसकी तलाश कर रही थी। उसने एसीजेएम 5 कोर्ट में सरेंडर किया। वहां से उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। राजेंद्र नगर के दि डेन कैफे में बर्थडे पार्टी के दौरान लव जिहाद का आरोप लगाकर हंगामा किया गया था। विवाद बढ़ा तो कैफे संचालक की शिकायत पर 5 आरोपियों प्रिंस, आकाश, आशीष, मिरदुन और दीपक को गिरफ्तार कर लिया गया था। जांच में सामने आया था कि इस पूरे विवाद का मुख्य आरोपी बजरंग दल का ऋषभ ठाकुर है। उसने ही मनगढ़ंत आरोप लगाकर माहौल खराब किया। हालांकि, विवाद बढ़ने पर बजरंग दल ने ऋषभ से किनारा कर लिया था।

## खेत में चल रहे इंजन की चपेट में आने से महिला की मौत

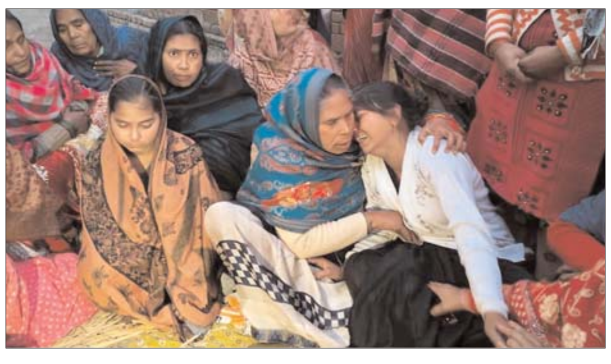

**बीसलपुर**। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अकबरगंज सिमरा में शुक्रवार को खेत की सिंचाई के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया।

गेहूं की फसल में पानी लगाने के बाद इंजन बंद करने गई महिला की साड़ी इंजन के पहिए में फंस गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

ग्राम अकबरगंज सिमरा निवासी जमुना प्रसाद गंगवार अपनी पत्नी गीता देवी (55) के साथ खेत पर गेहूं की सिंचाई कर रहे थे।

सिंचाई पूरी होने के बाद गीता देवी जैसे ही इंजन बंद करने पहुंचीं, उसी दौरान उनकी साड़ी इंजन के घूमते पहिए में लिपट गई। अचानक हुई इस घटना में वह जमीन पर गिर पड़ीं।

पत्नी को फंसा देख जमुना प्रसाद दौड़कर पहुंचे और किसी तरह इंजन बंद किया, लेकिन तब तक गीता देवी ने दम तोड़ दिया।

हादसे की जानकारी मिलते ही कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार शुक्ला उप निरीक्षक पुष्पेंद्र यादव व पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने मृतका के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया।

अचानक हुए हादसे से परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं गांव में घटना को लेकर शोक व सनसनी का माहौल बना हुआ है।

## अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई स्कॉर्पियो, दो घायल

**पूरनपुर (पीलीभीत)**। धनाराघाट रोड पर शुक्रवार शाम एक स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पेड़ से जा टकराई। हादसे में वाहन में सवार दो युवक घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया।

बताया गया कि स्कॉर्पियो सम्पूर्णानगर की ओर से पूरनपुर आ रही थी। धनाराघाट रोड पर अचानक वाहन का संतुलन बिगड़ गया और तेज रफ्तार कार सीधे पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे में हरदीप सिंह पुत्र सुखविंदर सिंह और हरविंदर सिंह पुत्र करम सिंह घायल हो गए। दोनों युवक किसी निजी कार्य से सम्पूर्णानगर गए थे और लौटते समय यह दुर्घटना हो गई।

राहगीरों और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पूरनपुर ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हरदीप सिंह की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। दूसरे घायल का उपचार सीएचसी में चल रहा है।

सूचना मिलने पर थाना हजारा पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहन को सड़क से हटवाया। पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया तेज गति या वाहन के अनियंत्रित होने को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है।

## समाधान दिवस सम्पन्न, 55 शिकायतें दर्ज, 06 का मौके पर निस्तारण

**पीलीभीत**। जनता की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में तहसील सदर परिसर में तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। समाधान दिवस के दौरान आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 55 शिकायती प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 06 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष मामलों में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपनी-अपनी विभागीय शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी स्वयं मौका मुआइना कर शिकायतकर्ता एवं दोनों पक्षों को बुलाकर निष्पक्ष समाधान कराएं तथा

निस्तारण आख्या पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि राजस्व संबंधी मामलों में जहां पुलिस प्रशासन की आवश्यकता हो, वहां पुलिस के सहयोग से मौके पर ही निस्तारण कराया जाए, ताकि विवादों का स्थायी समाधान हो सके। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि 18 जनवरी 2026 को प्रातः 10 बजे से सायं 04 बजे तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान उन सभी विद्यालय भवनों में संचालित होगा, जहां मतदेय स्थल स्थापित हैं। अभियान के दौरान संबंधित क्षेत्र के पार्षद, ग्राम प्रधान, सदस्य, बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ), मतदेय स्थलों पर नियुक्त पदाभिहीत अधिकारी एवं सुपरवाइजर उपस्थित रहेंगे।

इस अवसर पर 01 जनवरी 2026 के आधार पर 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके अर्ह युवा, महिला एवं छूटे हुए नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने के लिए फॉर्म-6 भरवाकर जमा कराया जाएगा, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रह जाए।

जिलाधिकारी ने चाइनीज मांझे की बिक्री करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही दिव्यांगजनों के चिन्हीकरण कर उन्हें आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर एआरटीओ ने राह-वीर योजना की जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने वाले नेक लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई है। योजना के अंतर्गत मदद करने वाले व्यक्ति को 25,000 का नकद पुरस्कार एवं प्रशंसा पत्र प्रदान किया जाता है, जिससे लोग गोल्डन आवर में बिना किसी भय के घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए आगे आएं।

## टोल प्लाजा कर्मियों पर वसूली व अभद्रता के आरोप, जन अधिकार पार्टी ने राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

**पीलीभीत**। शहर के बीसलपुर मार्ग पर स्थित अकबरगंज सिमरा टोल प्लाजा को लेकर जन अधिकार पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि टोल प्लाजा कर्मियों द्वारा वाहन चालकों से अवैध वसूली की जा रही है और विरोध करने पर अभद्र व्यवहार किया जाता है। मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा। जन अधिकार पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम नागेंद्र पांडेय के माध्यम से भेजे गए ज्ञापन में आरोप लगाया कि बीसलपुरङ्कपीलीभीत मार्ग पर बने टोल प्लाजा पर नियमों और विधि-व्यवस्था को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि टोल नियमों के अनुसार दस किलोमीटर की परिधि में आने वाले वाहन टोल शुल्क से मुक्त होते हैं, इसके बावजूद किसानों, टेंपो व मैजिक चालकों और स्थानीय वाहन स्वामियों से जबरन वसूली की जा रही है।

कार्यकर्ताओं का आरोप है कि जब वाहन चालक टोल शुल्क को लेकर नियमों का हवाला देते हैं, तो टोल प्लाजा कर्मी उनके साथ अभद्रता और दुर्व्यवहार करते हैं, जिससे आम जनता में आक्रोश व्याप्त है।

जन अधिकार पार्टी ने मांग की है कि टोल प्लाजा पर हो रही कथित मनमानी की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषी कर्मियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके और टोल व्यवस्था नियमों के अनुसार संचालित हो।

## मिशन शक्ति : मुश्किल में महिलाएं तो पुलिस करेगी मदद

**ललितपुर**। माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अन्तर्गत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद ललितपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज- 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और

आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की। विशेष रूप से यह स्पष्ट किया गया कि साइबर अपराधी डर और लालच का सहारा लेते हैं, ऐसे में किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ओटीपी साझा न करने की सलाह दी गई। मिशन शक्ति टीम द्वारा आपात सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उनके त्वरित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

## पोल पर चढ़कर युवक ने अपने कपड़ों में आग लगाई

**गोरखपुर**। गोरखपुर में युवक ने 20 फीट ऊंचे बिजली के पोल पर चढ़कर डेढ़ घंटे तक हाइवोल्टेज ड्रामा किया। उसने पहले अपने कपड़ों में आग लगाई। लोगों ने नीचे उतरने को कहा, तो बोला- मुझे मेरे पट्टीदारों ने पीटा है। मेरा आधार कार्ड छीन लिया है। पहले आधार कार्ड दिलवाओ, तभी नीचे उतरूंगा। पुलिस की टीम और दमकल कर्मी भी वहां पहुंचे। युवक को समझाया तो वह नहीं माना। दमकल कर्मी पोल के बगल वाली बिल्डिंग पर चढ़े। बातों में उलझाकर उसके हाथ से जलती हुई जैकेट छीनकर फेंकी। फिर उसका हाथ पकड़कर पोल से बिल्डिंग की ओर खींचा। दमकल कर्मी हाथ-पैर पकड़कर उसे टांग कर नीचे लाए और पुलिस को सौंप दिया।

## जिलाधिकारी ने सुनी जनता की समस्याएं और कराया निस्तारण

### फरियादियों की समस्या निस्तारण के साथ उनकी जरुरत व पात्रता के अनुसार सरकारी योजनाओं के ऑनलाइन आवेदन भी कराये

**ललितपुर**। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने शासन की मंशानुसार आज शनिवार को जनपद की दूरस्त तहसील मड़ावरा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में दूरदराज से आये फरियादियों की समस्याओं को सुना और मौके पर कई शिकायतों का निस्तारण भी कराया।उन्होंने एक-एक कर शिकायकर्ताओं को अपने पास बुलाया और उनकी पूरी बात सुनकर सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को अवगत कराया और शिकायती पत्र सौंपते हुए निर्देशित किया कि मौके पर जाकर समस्या का निस्तारण कराना सुनिश्चत

करें। शेष बची शिकायतों के सम्बंध में निर्देश दिये गए कि सम्बंधित विभागीय अधिकारी मौके पर जाकर स्थलीय सत्यापन कर निस्तारण करायें। शिकायतकर्ताओं की समस्या का निस्तारण उनकी संतुष्टि के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में आये फरियादियों की जरुरत व पात्रता के हिसाब से सम्बंधित योजनाओं सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए सम्बंधित विभागीय अधिकारियों से उन योजनाओं में ऑनलाइन आवेदन कराये।

फरियादी खेमचन्द्र अपने साथ लाये निराश्रित बच्चों के हालात को देखते हुए जिलाधिकारी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए जिला प्रोबशन अधिकारी को बुलाकर मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत मौके पर ही आवेदन कराया और उनको आश्वस्त किया कि आगामी माह से दोनो बच्चों को योजना का लाभ मिलने लगेगा।

## डीएम-एसपी ने मड़ावरा थाने का किया निरीक्षण, जांचे अभिलेख

**ललितपुर**। जिलाधिकारी, सत्य प्रकाश व पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा थाना मड़ावरा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालय, मिशन शक्ति केन्द्र, साइबर हेल्प डेस्क, मेस आदि का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये । थाना कार्यालय का निरीक्षण कर कार्यालय में साफ-सफाई, कार्यालय से सम्बन्धित

अभिलेखों के रखरखाव व अद्यतन स्थिति को चेक किया गया ।कार्यालय में साफ-सफाई उच्च कोटि की पाई गयी तथा अभिलेख अध्यावधिक पाये गये । थाना मड़ावरा परिसर का भ्रमण कर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, आगन्तुकगण व अधि0/कर्म0गण की मूलभूत सुविधायें का निरीक्षण किया गया, थाना परिसर की साफ-सफाई उच्च कोटि की पाई गयी तथा आगे भी सम्बन्धित को उचित रूप से परिसर की साफ, स्वच्छ एवं हरित रखने हेतु निर्देशित किया गया है । निरीक्षण के दौरान मिशन शक्ति केन्द्र में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सहायता तथा परामर्श से सम्बन्धित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया ।

## मां-बेटी के हत्यारे का नहीं चला पता

**गोरखपुर**। गोरखपुर के चौरीचौरा क्षेत्र में 29 मार्च 2025 की देर रात गंडासे से गला रेतकर मां-बेटी की निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस घटना के 10 माह बाद भी पुलिस हत्यारे का पता नहीं लगा पाई। इस मामले में नामजद तीन आरोपियों सहित छह संदिग्ध का गाजियाबाद स्थित संस्थान में पॉलीग्राफ टेस्ट कराया गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि इसी महीने इसकी रिपोर्ट भी आ जाएगी। इस रिपोर्ट से डबल मर्डर के पर्दाफाश में मदद मिल सकती है। पुलिस का ऐसा दावा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, वादी मुकदमा मृतका पूनम की बड़ी बेटी खुशबू, गांव के कोटेदार सूरज, उसके बेटे सुरेंद्र व संजय के साथ ही दो अन्य संदिग्ध सदानंद और अजय कुमार का पॉलीग्राफ टेस्ट कराया गया। करीब एक सप्ताह तक गाजियाबाद में यह प्रक्रिया चली है। इस दौरान कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। पुलिस का कहना है कि अभी तक 100 से अधिक लोगों से इस केस में पूछताछ हुई, लेकिन कोई कामयाबी नहीं मिली।

## शार्ट न्यूज

### नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित गिरफ्तार

**ललितपुर**। महरौनी पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक, ललितपुर कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी महरौनी आशीष मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना महरौनी पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 26/2026 धारा- 74/333/352/351(3) ब्नह.स. व 7/8 पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त- प्रदीप पटेल उर्फ कोठारी पुत्र कैलाश निरंजन उर्फ कल्लू उम्र करीब 27 वर्ष निवासी ग्राम कुम्हैडी थाना महरौनी जनपद ललितपुर को नियमानुसार गिरफ्तार मा0 न्यायालय भेजा गया है। गिरफ्तार करने वाली टीम प्रभारी निरीक्षक राजा दिनेश सिंह मय टीम आदि शामिल रहे।

### सरोजनीनगर में ट्रांसफार्मर से बच्चा झुलसा

**लखनऊ**। लखनऊ के सरोजनीनगर क्षेत्र के बिजनौर स्थित सैनिक विहार कॉलोनी में 11 जनवरी 2026 को एक खुले और असुरक्षित विद्युत ट्रांसफार्मर के संपर्क में आने से 8 वर्षीय अर्पित पाल गंभीर रूप से झुलस गया। अर्पित राकेश पाल का पुत्र है। घटना की सूचना मिलते ही सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने बच्चे के उपचार को प्राथमिकता देते हुए किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू), लखनऊ में बेहतर चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित कराई। विधायक के मार्गदर्शन में पीड़ित परिवार को अब तक लगभग 75 हजार रुपये की चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई जा चुकी है। इसके अतिरिक्त, उनकी टीम के सदस्यों ने रक्तदान कर परिवार को चिकित्सीय और भावनात्मक दोनों तरह से सहयोग प्रदान किया। चूंकि पीड़ित परिवार मूल रूप से मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र का निवासी है, डॉ. राजेश्वर सिंह ने संवैधानिक मर्यादाओं का पालन करते हुए मोहनलालगंज के विधायक से विधायक निधि के माध्यम से आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का औपचारिक अनुरोध किया है।

### जिला पंचायत बैठक में धान खरीद पर हंगामा

**बाराबंकी**। बाराबंकी में जिला पंचायत बोर्ड की बैठक में धान की सरकारी खरीद को लेकर जमकर हंगामा हुआ। सदर सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक सुरेश यादव ने खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीशचंद्र शर्मा के सामने सरकारी क्रय केंद्रों पर बिचौलियों द्वारा धान खरीदने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इससे वास्तविक किसानों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। विधायक सुरेश यादव ने आरोप लगाया कि अब तक दर्शाई गई धान खरीद में आधार कार्ड किसी और का और खतौनी किसी और की का इस्तेमाल कर फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। उन्होंने इसे अधिकारियों की मिलीभगत बताया। इस पर राज्य मंत्री सतीशचंद्र शर्मा ने विधायक से लिखित शिकायत मांगी और आश्वासन दिया कि शिकायत मिलने पर पूरे मामले की जांच कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में किसान नेता और पंचायत सदस्य रामबरन वर्मा ने भी धान खरीद प्रक्रिया पर सवाल उठाए। वहीं, पंचायत सदस्य मोहम्मद शहंशाह ने आरोप लगाया कि अधिकारी धान खरीद के नाम पर प्रति कुंतल या प्रति किसान 200 की अवैध वसूली कर रहे हैं।

### बीमा कंपनी के अफसर समेत चार दोषी

**लखनऊ**। लखनऊ की सीबीआई विशेष अदालत ने फर्जी बीमा क्लेम के एक पुराने मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी के प्रशासनिक अधिकारी सहित चार आरोपियों को दोषी ठहराते हुए अलग-अलग अवधि की सजा और जुर्माना लगाया है। यह मामला करीब 9.81 लाख रुपये के बीमा घोटाले से जुड़ा है। सीबीआई कोर्ट ने न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के डिविजनल ऑफिस-3, कानपुर में तैनात रहे प्रशासनिक अधिकारी (डेवलपमेंट) एन.के. सिंघल को तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उन पर 2.30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।अदालत ने माना कि आरोपी ने पद का दुरुपयोग करते हुए फर्जी बीमा दावों को मंजूरी दिलाने में अहम भूमिका निभाई। अदालत ने संजय कुमार जैन और नीरज कपूर को भी तीन-तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। दोनों पर 95-95 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।वहीं, बृजेश कनोडिया को दो वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई है और उस पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सीबीआई के अनुसार, यह घोटाला वर्ष 1999 से 2002 के बीच किया गया।

### भटनी पुलिस ने 26 पेटी अवैध शराब जब्त की

**देवरिया**। जिले की भटनी पुलिस ने शुक्रवार को वाहन चेकिंग अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 26 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। बरामद शराब की कुल मात्रा 224 लीटर है, जिसे बिहार ले जाने की तैयारी थी। पुलिस के मुताबिक, मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर चांदपार स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान के पास वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका गया, जिसकी तलाशी में भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई। बरामद शराब में ऑफिसर्स चॉइस की 16 पेटी, आफ्टर डार्क ब्लू की 5 पेटी और माउंटेन ब्रांड की 5 पेटी अंग्रेजी शराब शामिल है। कुल 1248 शीशियां मिली हैं, जिनमें प्रत्येक शीशी 180 मिलीलीटर की है। इस तरह कुल 224 लीटर अवैध शराब जब्त की गई है। पुलिस ने मौके से पूर्वी चंपारण (बिहार) के पकड़ी दयाल थाना क्षेत्र के चोरमा निवासी रंजन कुमार पुत्र रामचंद्र राय को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह इस शराब को बिहार ले जाने की फिराक में था।

### हाईवे किनारे खड़े वाहनों के खिलाफ यातायात पुलिस ने चलाया अभियान

ललितपुर। हाईवे किनारे अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों के खिलाफ शनिवार को यातायात पुलिस ने अभियान चलाया। इसमें 19 वाहनों का चालान किया गया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात आलोक कुमार तिवारी द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से स्टेट हाइवे/ नैशनल हाइवे पर अवैध रूप से खड़े 19 वाहनों का एम वी एक्ट की सुसंगत धाराओं में चालान करते हुए वाहन चालकों/परिचालकों को अवैध पार्किंग से होने वाली घटनाओं के बारे में जागरूक किया गया। उक्त के अतिरिक्त यातायात पुलिस द्वारा आम जनमानस को यातायात नियमों के पालन हेतु जागरूक किया गया यथा- दो पहिया वाहन पर चालक और पीछे बैठी सावरी अनिवार्य रूप से हेलमेट लगाएं, दो पहिया वाहन पर तीन सवारी न बैठाएं, निर्धारित गति सीमा में ही वाहन चलाना, नशे की हालत में वाहन न चलाना, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें, सीट बेल्ट अवश्य बांधे, मोडिफाइड साइलेंसर न लगवाएं, लेन ड्राइविंग का पालन करें आदि, प्रवर्तन की कार्यवाही के अंतर्गत 133 वाहनों का चालान किया गया।

### गरीब परिवार को बेघर किया, 11 दोषियों सजा

**सोनभद्र**। करीब 25 वर्ष पुराने एक मामले में सोनभद्र की सीजेएम आलोक यादव की अदालत ने शनिवार को फैसला सुनाया है। अदालत ने एक गरीब परिवार का घर गिराकर उन्हें बेघर करने के 11 दोषियों को दो-दो वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। प्रत्येक दोषी पर साढ़े चार हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया है। घटना 5 जनवरी 2001 की है। रॉबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र के परासी पांडेय निवासी इजराइल अहमद पुत्र सुबहान ने बताया था कि उन्होंने गांव के लन्दर पुत्र शिवनाथ से 8000 रुपए में एक बिस्वा जमीन खरीदी थी और उस पर कच्चा मकान बनाकर अपने परिवार के साथ रह रहे थे। तहरीर में आरोप लगाया गया था कि 5 जनवरी 2001 को शाम करीब 4 बजे गांव के समई, प्रभु, हरी, सुरेश उर्फ गुड्डु, नरेश, मुन्ना, राजमनी, जियावन, गोपाल, कल्लू बेचू, रामसूरत उर्फ जगत्तर, वंशी और राममूरत उनके घर पर आए। उन्होंने परिवार व बच्चों को गाली दी, जान से मारने की धमकी दी और घर का सारा सामान बाहर निकालकर मकान गिरा दिया।

## संक्षिप्त समाचार

### नेपाल में पलटा ट्रक, पांच की मौत, तीन घायल

**ढाका, एजेंसी।** नेपाल के सुनसरी जिले में बृहस्पतिवार को एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त होने से पांच लोगों की जान चली गई और तीन अन्य घायल हो गए। यह हादसा भोकराहा नरसिंह ग्रामीण नगरपालिका के सोनयाही इलाके में हुआ। पुलिस के अनुसार, मार्बल से लदा ट्रक कोशी प्रांत के विराटनगर से राजबिराज की ओर जा रहा था। इसी दौरान चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और ट्रक पलट गया। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई। सभी घायलों को प्राथमिक चिकित्सा के बाद इलाज के लिए बिराटनगर के बिराट टीचिंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

### जुलाई योद्धाओं को राहत अभियोजन से संरक्षण का कानून मंजूर

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने बृहस्पतिवार को अगस्त 2024 के जनांदोलन में शामिल प्रदर्शनकारियों को अभियोजन से संरक्षण देने के लिए एक अध्यादेश के मसौदे को मंजूरी दे दी। यह आंदोलन तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के पतन का कारण बना था। कानून मामलों के सलाहकार आसिफ नजरुल ने प्रेस वार्ता में बताया कि मुहम्मद यूनुस की अध्यक्षता में हुई सलाहकार परिषद की बैठक में जुलाई जनउभार संरक्षण और जवाबदेही अध्यादेश को मंजूरी दी गई। इसके तहत उन प्रदर्शनकारियों (जिन्हें आमतौर पर जुलाई योद्धा कहा जाता है) को राजनीतिक प्रतिरोध के उद्देश्य से किए गए कृत्यों के लिए कानूनी संरक्षण दिया जाएगा। नजरुल ने कहा कि अध्यादेश में राजनीतिक प्रतिरोध का अर्थ उस कार्रवाई से है, जो लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की बहाली और फासीवादी सरकार को हटाने के लिए की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन मामलों में अब तक केस दर्ज किए गए हैं, उन्हें सरकार वापस लेगी और भविष्य में जुलाई योद्धाओं के खिलाफ नए मामले दर्ज नहीं किए जा सकेंगे।

### नेपाल : मधेश से आरएसपी का चुनावी आगाज, जनकपुर में जुटेंगे रवि-बालेंद्र

**काठमांडू, एजेंसी।** राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने आगामी आम चुनावों के लिए अपने अभियान की शुरुआत मधेश प्रांत से करने का निर्णय लिया है। पार्टी प्रवक्ता मनीष झा ने कहा, 19 जनवरी को जनकपुरधाम में पहली बड़ी राजनीतिक सभा आयोजित होगी। सभा को पार्टी अध्यक्ष रवि लामिछाने व वरिष्ठ नेता बालेंद्र शाह (बालेन) संबोधित करेंगे। आरएसपी ने पहले ही बालेन को भावी पीएम प्रत्याशी के रूप में पेश किया है। बालेन के निर्वाचन क्षेत्र को लेकर पार्टी के भीतर गहन चर्चा जारी है। काठमांडो या झापा के बजाय, उन्हें उनके जन्मस्थान महोत्तरी से चुनाव लड़ने का सुझाव दिया गया है।

### नेपाली कांग्रेस में फूट चुनाव चिह्न पेड़ पर दो गुटों ने किया दावा

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल की बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस में औपचारिक विभाजन के बाद अब पार्टी के चुनाव चिह्नपेड़ को लेकर कानूनी जंग शुरू हो गई है। 5 मार्च को होने वाले आम चुनावों से ठीक पहले शेर बहादुर देउबा और गगन थापा-विश्व प्रकाश शर्मा के गुटों ने निर्वाचन आयोग में असली पार्टी होने का दावा किया है।

### एआई प्रशिक्षण...विकिपीडिया ने बिग टेक से किया समझौता

**वाशिंगटन, एजेंसी।** विकिपीडिया की मूल संस्था विकिमीडिया फाउंडेशन ने अपने विशाल डेटाबेस के जरिये आय बढ़ाने के लिए माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अमेजन जैसी दिग्गज टेक कंपनियों के साथ समझौता किया है। इस समझौते के तहत विकिपीडिया का कंटेंट इन कंपनियों के एआई मॉडल्स को प्रशिक्षित करने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। करीब 300 से अधिक भाषाओं में मौजूद 6.5 करोड़ लेखों के मुफ्त उपयोग से सर्वर लागत बढ़ने के कारण संस्था अब विकिमीडिया एंटरप्राइज को बढ़ावा दे रही है।

### अमेरिका : चुनाव लड़ने के लिए आईसीई की शीर्ष अधिकारी ने दिया इस्तीफा

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी (आईसीई) की एक शीर्ष अधिकारी मैडिसन शीहान ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने यह कदम ओहायो से कांग्रेस (संसद) चुनाव लड़ने के लिए उठाया है। उनका लक्ष्य कांग्रेस में सबसे लंबे समय से सेवा दे रहीं डेमोक्रेट सांसद मार्सी कैप्चर को इस साल होने वाले चुनाव में हराना है। एक वीडियो में आईसीई की पूर्व उपनिदेशक शीहान ने कहा कि उन्होंने अपने एक साल से भी कम कार्यकाल में गैरकानूनी आव्रजन को रोकने के लिए उतना काम किया है, जितना मार्सी कैप्चर ने वॉशिंगटन में अपने 43 साल के करियर में नहीं किया।

# क्या हमास समर्थक खलील पर अमेरिकी नकेल? ट्रंप प्रशासन बोला- अदालत का फैसला बड़ी जीत

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका की थर्ड सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स के फैसले ने फलस्तीनी समर्थक कार्यकर्ता महमूद खलील के मामले को एक बार फिर सियासी और कानूनी बहस के केंद्र में लाकर खड़ा किया है। अपीलीय अदालत ने महमूद की रिहाई के आदेश को रद्द करते हुए ट्रंप प्रशासन को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने दो के मुकाबले एक के बहुमत से निचली अदालत के आदेश को रद्द कर दिया है। इस फैसले को एक तरफ जहां ट्रंप प्रशासन ने अपनी जीत बताया है। वहीं दूसरी ओर नागरिक अधिकार संगठनों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गंभीर आघात करार दिया है। अपीलीय अदालत ने कहा कि जिस फेडरल कोर्ट ने खलील की रिहाई का आदेश दिया था, उसके पास इस मामले की सुनवाई का अधिकार ही नहीं था। अदालत के अनुसार, इमिग्रेशन और डिपोर्टेशन से जुड़े मामलों में अधिकार क्षेत्र केवल इमिग्रेशन कोर्ट के पास होता है, जैसा कि इमिग्रेशन एंड नेशनलिटी एक्ट में स्पष्ट किया गया है।

**अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बताया बड़ी जीत :** इस फैसले के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी करते हुए कहा कि यह ट्रंप प्रशासन की एक बड़ी जीत है और अमेरिका अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि वह आतंकवादी संगठनों के समर्थकों को देश के भीतर किसी भी तरह की गतिविधियों की अनुमति नहीं देगी।

**अब आगे क्या होगा, समझिए :** अपील कोर्ट के फैसले से अब यह रास्ता खुल गया है कि इमिग्रेशन अधिकारी महमूद खलील को दोबारा हिरासत में ले सकते हैं, हालांकि यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू नहीं होगा। खलील ने स्पष्ट किया है कि वे इस फैसले को अंतिम नहीं मानते और आगे कानूनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि यह निर्णय निराशाजनक है, लेकिन इससे उनका संघर्ष कमजोर नहीं पड़ेगा और वे न्याय और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए हर संभव कानूनी रास्ता अपनाएंगे।

**जज ने बहुमत के फैसले से जताई असहमति :** इस मामले में एक जज ने बहुमत के फैसले से असहमति जताई। असहमति जताने वाली जज ने कहा कि इमिग्रेशन कोर्ट के पास संवैधानिक अधिकारों से जुड़े मामलों की पूरी तरह सुनवाई करने की क्षमता नहीं है। उन्होंने यह भी माना कि खलील ने अपनी हिरासत के दौरान गंभीर और अपूरणीय नुकसान झेला है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

**न्यूयॉर्क के मेयर ने फैसले से जताई चिंता :** यॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने भी कोर्ट के इस फैसले पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि महमूद खलील की गिरफ्तारी राजनीतिक दमन का उदाहरण है और उन्हें स्वतंत्र रहना चाहिए। नागरिक स्वतंत्रता संगठनों का कहना है कि यह फैसला फेडरल अदालतों की भूमिका को कमजोर करता है और सरकार को असहमति की आवाजों को दबाने का अधिक अधिकार देता है। दूसरी ओर कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि खलील की कानूनी टीम अब पूरे थर्ड सर्किट कोर्ट में पुनर्विचार की मांग कर सकती है और इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुंच सकता है।

कौन है महमूद खलील, गौरतलब है कि महमूद खलील का जन्म सीरिया में हुआ था और वे अल्जीरिया के नागरिक हैं। वे अमेरिका के कानूनी स्थायी निवासी हैं और एक अमेरिकी नागरिक से विवाह कर चुके हैं। न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में स्नातकोत्तर की पढ़ाई के दौरान उन्हें इमिग्रेशन अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। उनपर आरोप है कि उन्होंने फलस्तीन और गाजा के समर्थन में प्रदर्शन किए और इस्राइल की आलोचना की। ट्रंप प्रशासन के दौरान ऐसे कई विदेशी छात्रों को निशाना बनाया गया, जिन पर सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा होने का दावा किया। खलील ने अपनी गिरफ्तारी को राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है।

उनका कहना है कि उन्हें सिर्फ अपने विचार व्यक्त करने की वजह से हिरासत में लिया गया। हिरासत के दौरान वे अपने पहले बच्चे के जन्म के समय भी परिवार के साथ नहीं रह सके, जिसे उन्होंने अपने जीवन का सबसे दर्दनाक अनुभव बताया।

## भूकंप के झटकों से दहला अमेरिका का ओरेगॉन, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 6.2 रही

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के ओरेगॉन इलाके के तटीय क्षेत्र में गुरुवार को भूकंप के झटके लगे। रिक्टर स्केल पर भूकंप के इन झटकों की तीव्रता 6.2 रही। हालांकि इसमें अभी किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं हैं। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंस ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन के 10 किलोमीटर अंदर था। नेशनल सुनामी वार्निंग सेंटर द्वारा अभी तक सुनामी को लेकर कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

**ओरेगॉन के इस इलाके में अक्सर आते हैं भूकंप :** ओरेगॉन के जिस इलाके में भूकंप के झटके महसूस किए गए, वह ओरेगॉन और कैलिफोर्निया की सीमा पर स्थित है और यहां अक्सर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। इस इलाके में आने वाले अधिकतर भूकंप जमीन के भीतर होते हैं और अक्सर धरती पर महसूस नहीं होते। ओरेगॉन के जिस इलाके में भूकंप के झटके महसूस किए गए, वह ओरेगॉन और कैलिफोर्निया की सीमा पर स्थित है और यहां अक्सर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। इस इलाके में आने वाले अधिकतर भूकंप जमीन के भीतर होते हैं और अक्सर धरती पर महसूस नहीं होते।

**कास्केडिया जोन में आता है ये इलाका :** इससे पहले बीते साल सितंबर में भी ओरेगॉन में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। यह इलाका कास्केडिया जोन का हिस्सा है। कास्केडिया जोन उत्तरी वैंकूवर द्वीप से लेकर उत्तरी कैलिफोर्निया तक फैला हुआ है और पृथ्वी के सबसे शक्तिशाली भूकंप क्षेत्रों में से एक माना जाता है। साल 1700 में यहां 9.0 मैग्नीट्यूड का भूकंप आया था, जिससे भयंकर सुनामी आई थी। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अगर फिर इतनी तीव्रता का भूकंप आया और सुनामी आई तो तटीय इलाकों में भारी तबाही मच सकती है।

**फलस्तीन नागरिकों को हथियार तस्करी के आरोप में दो इस्राइली गिरफ्तार : येरुशलम, एजेंसी।** इस्राइल की सुरक्षा एजेंसी शिन बेट और इस्राइल पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में हथियारों से जुड़े एक गंभीर मामले का खुलासा हुआ है। जांच के तहत दो इस्राइल अरब नागरिकों और एक फलस्तीनी व्यक्ति को आतंकियों तक हथियार पहुंचाने के शक में गिरफ्तार किया गया है। गुरुवार को इस मामले की जानकारी सार्वजनिक की गई। गिरफ्तार किए गए लोगों में लोड शहर के रहने वाले 25 वर्षीय हमदान इस्साम अबू लेबेडा और 25 वर्षीय मोहम्मद हसन खलील असमाद शामिल हैं। इनके अलावा सामरिया इलाके के उर्ता गांव के निवासी 33 वर्षीय अहमद मोहम्मद सालेह अवाद को भी हिरासत में लिया गया है। जांच की शुरुआत तब हुई जब मोहम्मद असमाद को यहूदिया और सामरिया क्षेत्र में घुसने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया। उसके पास से एम 16 राइफल की 500 से ज्यादा गोलियां बरामद की गईं।

## वेनेजुएला: कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज ने तेल क्षेत्र से जुड़े कानूनों में सुधार की मांग की

**काराकास, एजेंसी।** वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने गुरुवार को देश की तेल क्षेत्र से जुड़े कानूनों में सुधार की मांग की। उन्होंने संसद से ऐसे सुधारों को मंजूरी देने को कहा, जिससे विदेशी निवेश के लिए रास्ता खुल सके। यह बात उन्होंने अपने संबोधन में कही। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब देश के लंबे समय से सत्ता में रहे नेता निकोलस मादुरो को अमेरिका की कार्रवाई के बाद सत्ता से हटा दिया गया है। डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा कि वेनेजुएला से होने वाली तेल बिक्री से मिलने वाली आय का इस्तेमाल देश की बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, आर्थिक विकास और बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तेल से होने वाली कमाई संकट से जूझ रहे क्षेत्रों के लिए बेहद जरूरी है। अपने भाषण में रोड्रिगेज ने भविष्य को लेकर एक अलग दृष्टिकोण पेश किया। उन्होंने अपने पूर्ववर्ती से अलग रुख अपनाते हुए कहा कि अमेरिका के साथ कूटनीति से डरने की जरूरत नहीं है। रोड्रिगेज ने कहा कि उन्हें अब अमेरिका के ट्रंप प्रशासन और पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के प्रति वफादार सरकारी तंत्र के बीच संतुलन बनाकर चलना होगा। रोड्रिगेज पहले उपराष्ट्रपति रह चुकी हैं।

**खैबर पख्तूनख्वा : सुरक्षा बलों ने मारे 13 विद्रोही : इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों ने दमनकारी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग अभियानों में 13 विद्रोहियों को मार गिराया है। यह कार्रवाई 13 और 14 जनवरी की दरम्यानी रात को की गई। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बृहस्पतिवार को इसकी पुष्टि की। आईएसपीआर के अनुसार, मारे गए विद्रोही 'फितना अल खवारिज' से जुड़े थे, जो प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है। खुफिया जानकारी के आधार पर पहला अभियान बन्नू जिले में चलाया गया, जहां आठ विद्रोही ढेर किए गए। दूसरा अभियान कुर्रम जिले में हुआ, जिसमें पांच विद्रोही मारे गए।

## चीन के 5 फीसदी विकास लक्ष्य पर संकट, हाईटेक रणनीति से नहीं बन रही बात

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन की अर्थव्यवस्था को रियल एस्टेट संकट से बाहर निकालने के लिए एआई, रोबोटिक्स व इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे हाईटेक उद्योगों पर लगाया गया दांव नतीजे देने में सक्षम नहीं हो रहा है। अमेरिकी रिसर्च संस्था रॉडियम ग्रुप के मुताबिक, चीन को 5 फीसदी जीडीपी वृद्धि बनाए रखनी है, तो नए उद्योगों को हर साल निवेश वृद्धि को 2 पॉइंट ऊपर ले जाना होगा। यह मामूली हिस्सा नहीं, बल्कि निवेश वृद्धि दर में बड़ी बढ़ोतरी है, जो मौजूदा हालात में हासिल करना कठिन नजर आता है।

2023 से 2025 के बीच एआई, रोबोटिक्स और इलेक्ट्रिक कारों जैसे नए उद्योगों ने आर्थिक उत्पादन वृद्धि की रफ्तार को मिलाकर सिर्फ 0.8 पॉइंट ऊपर किया। रियल एस्टेट और अन्य पारंपरिक क्षेत्रों की कमजोरी ने आर्थिक वृद्धि को 6 पॉइंट नीचे खींच लिया। यह अंतर दिखाता है

कि हाई-टेक सेक्टर भले ही बढ़ रहे हों, लेकिन वे अभी इतने बड़े और प्रभावशाली नहीं हैं कि प्रॉपर्टी और पारंपरिक उद्योगों में आई गिरावट से पैदा हुए दबाव की भरपाई कर सकें। हाल के वर्षों में बीजिंग ने लगातार करीब 5 फीसदी जीडीपी वृद्धि का लक्ष्य रखा है।

**2.8 ट्रिलियन युआन के निवेश का दबाव :** इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए इस साल ही 2.8 ट्रिलियन युआन के अतिरिक्त निवेश की जरूरत होगी। यह 2025 के मुकाबले 120 फीसदी अधिक है। एआई या रोबोटिक्स जैसे कुछ सेक्टरों में निवेश तेज हो सकता है, लेकिन उभरते उद्योगों के लिए इतनी तेज और टिकाऊ रफ्तार बनाए रखना मुश्किल होगा। इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग सबसे तेज वृद्धि दर पहले ही देख चुका है व आने वाले वर्षों में रफ्तार धीमी पड़ सकती है।

**रोजगार संकट और ऑटोमेशन का जोखिम :** चीन के नए औद्योगिक सेक्टर कर्मचारियों को उच्च वेतन तो देते हैं, लेकिन वे पारंपरिक उद्योगों की तुलना में काफी कम रोजगार देते हैं। फैक्टरी ऑटोमेशन में वृद्धि और वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग में चीन के पहले से मौजूद 30 फीसदी हिस्से के चलते एक दशक में 10 करोड़ तक नौकरियां खत्म होने का खतरा है। पिछले साल चीन की शहरी बेरोजगारी दर अधिकांश समय 5 प्रतिशत से ऊपर रही। युवाओं में बेरोजगारी इससे लगभग तीन गुना अधिक दर्ज की गई।

**प्रॉपटीः अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ :** सरकार हाई-टेक विकास को प्राथमिकता दे रही है लेकिन रियल एस्टेट संकट से निपटने के लिए सीमित कदम उठाए हैं। एक समय यह सेक्टर चीन की जीडीपी के एक-चौथाई से अधिक योगदान देता था। पिछले साल नए घरों की बिक्री 2009 के बाद के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। कुल वृद्धि फिर भी दबाव में : निवेश फर्म केकेआर के अनुसार प्रॉपर्टी सेक्टर की कमजोरी इस साल चीन की जीडीपी वृद्धि से 1.2 पॉइंट घटा सकती है। डिजिटल तकनीकों से अनुमानित 2.6 पॉइंट के योगदान के बावजूद कुल वृद्धि दर 4.6 फीसदी के आसपास रह सकती है। भले ही 2026 के लिए 5 फीसदी का लक्ष्य रखा जाए, लेकिन रियल एस्टेट की सुस्ती और कमजोर रोजगार बाजार इस पर सवाल खड़े करते हैं।

# क्या अब थम जाएगा यूक्रेन-रूस संघर्ष?: ट्रंप के शांति वार्ता प्रस्ताव पर मॉस्को सहमत; लेकिन कीव पर लगाए ये आरोप

**मॉस्को, एजेंसी।** रूस ने यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए चल रही शांति वार्ता को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख का समर्थन किया है। क्रेमलिन ने गुरुवार को कहा कि वह ट्रंप के इस आकलन से सहमत है कि यूक्रेन शांति समझौते की राह में बाधा बन रहा है। इस पर यूरोप की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। पोलैंड के राष्ट्रपति ने इसके लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया है।

**ट्रंप के बयान पर रूस :** क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा, हां, हम इससे सहमत हो सकते हैं... वाकई ऐसा ही है। उनकी यह टिप्पणी ट्रंप के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को अमेरिकी नेतृत्व वाली शांति वार्ता में अड़चन बताया था। रूस का यह रुख यूरोपीय नेताओं से अलग है। यूरोपीय नेता लगातार राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर बातचीत में देरी करने का आरोप लगाते रहे हैं। उनका कहना है कि एक ओर रूस बातचीत टाल रहा है, तो दूसरी ओर उसकी सेना यूक्रेन के भीतर और आगे बढ़ने की कोशिश कर रही है और यूक्रेनी शहरों पर लगातार हमले हो रहे हैं। रॉयटर्स को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि पुतिन समझौता करने के लिए तैयार हैं, लेकिन यूक्रेन इसके लिए कम तैयार दिखता है। उन्होंने जेलेंस्की को समझौते में बाधा डालने वाला करार दिया। ट्रंप के इस बयान पर यूरोप की ओर से तीखी प्रतिक्रिया भी सामने आई है। पोलैंड के प्रधानमंत्री टस्क ने एक्स पर लिखा, अमेरिका द्वारा तैयार की गई शांति योजना को रूस ने खारिज किया है, जेलेंस्की ने नहीं। इस बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी गुरुवार को संकेत दिए कि किसी भी संभावित शांति समझौते में रूस सुरक्षा गारंटी की मांग करेगा। क्रेमलिन में विदेशी राजदूतों से मुलाकात के दौरान पुतिन ने कहा, सुरक्षा सार्वभौमिक, समान और अविभाज्य होनी चाहिए। किसी की सुरक्षा दूसरों की कीमत पर सुनिश्चित नहीं की जा सकती। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो रूस अपने तय लक्ष्यों को हासिल करता रहेगा। हालाकि अमेरिकी प्रशासन का इस मुद्दे पर रुख ट्रंप के विपरीत है। अमेरिका ने सोमवार को रूस पर आरोप लगाया था कि वह युद्ध को खतरनाक और समझ से बाहर तरीके से बढ़ा रहा है, जबकि ट्रंप प्रशासन शांति वार्ता को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

## ट्रम्प ने अमेरिका के मिनेसोटा में सेना तैनात करने की धमकी दी, अप्रवासियों की गिरफ्तारी के बाद हिंसा भड़की

**वाशिंगटन, एजेंसी।** राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि वह मिनेसोटा में अमेरिकी सैनिकों को तैनात करने के लिए सदियों पुराने कानून का सहारा ले सकते हैं। ट्रम्प ने कहा कि 'अगर मिनेसोटा के भ्रष्ट राजनेता कानून का पालन नहीं करते और विद्रोहियों को आईसीई पर हमला करने से नहीं रोकते तो मैं विद्रोह अधिनियम लागू करूंगा।

विद्रोह अधिनियम पहली बार 1792 में पारित हुआ और 1871 में संशोधित किया गया। यह कानून राष्ट्रपति को सैन्य बलों को तैनात करने की अनुमति देता है ताकि विद्रोह या अशांति को कंट्रोल किया जा सके। ट्रम्प का यह बयान मिनियापोलिस में इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) एजेंटों की बढ़ी मौजूदगी और दो फायरिंग घटनाओं के बाद सामने आया है। पहली घटना में एक आईसीई एजेंट ने अमेरिकी नागरिक रेनी गुड को गोली मार दी थी, जबकि दूसरी में एक वेनेजुएलाई नागरिक घायल हुआ। ट्रम्प पिछले कई हफ्तों से मिनेसोटा के डेमोक्रेट नेताओं से नाराज हैं। उन्होंने राज्य में रहने वाले सोमाली मूल के लोगों को कचरा बताते हुए देश से बाहर फेंकने जैसी टिप्पणी भी की है। ट्रम्प प्रशासन पहले ही मिनियापोलिस इलाके में करीब 3,000 अधिकारियों को तैनात कर चुका है, जो हथियारों के साथ सैन्य जैसी वर्दी और मास्क पहनकर गश्त कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रम्प ने 2025 में सत्ता संभालने के बाद बड़े पैमाने पर अवैध अप्रवासियों की गिरफ्तारी और डिपोर्टेशन की सख्त मुहिम शुरू की है। ये एजेंट हजारों लोगों को गिरफ्तार कर रहे हैं। स्थानीय लोग इसे नस्लीय भेदभाव और आतंक मान रहे हैं। इन अधिकारियों के खिलाफ दिन-रात विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। स्थानीय लोग सीटी बजा रहे हैं, ढोल-टैंबरीन पीट रहे हैं और नारे लगा रहे हैं। बुधवार रात उस इलाके में बड़ी भीड़ जमा हुई, जहां वेनेजुएलाई नागरिक को गोली लगी थी। इस दौरान अधिकारियों ने ग्रेनेड छोड़े और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। इन घटनाओं के बाद ट्रम्प प्रशासन और मिनेसोटा के नेता एक-दूसरे पर हिंसा भड़काने का आरोप लगा रहे हैं। ट्रम्प पहले भी डेमोक्रेट शासित शहरों में नेशनल गार्ड को फेडरल कंट्रोल में लेकर इमिग्रेशन कानून लागू करवा चुके हैं। लॉस एंजिल्स में की गई ऐसी ही कार्रवाई को एक जज ने दिसंबर में असंवैधानिक बताया था।

# मचाडो के प्रेसिडेंट बनने की चर्चा थी, लेकिन ट्रम्प का समर्थन नहीं; अब बोलीं- अमेरिकी राष्ट्रपति पर भरोसा

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो से मुलाकात की। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अगवा करने के बाद यह उनकी किसी भी वेनेजुएलाई नेता से पहली आमने-सामने की मुलाकात थी। मुलाकात के बाद माचाडो ने कहा कि उन्होंने ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार का मेडल भेंट किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि आज हम वेनेजुएलावासियों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है।' बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में मचाडो ने ट्रम्प को अपना पुरस्कार सौंपने के बारे में बताया, लेकिन उन्होंने दूसरी कोई जानकारी नहीं दी। वहीं, व्हाइट हाउस ने भी यह नहीं बताया कि ट्रम्प ने मेडल स्वीकार किया या नहीं। व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद मचाडो ने बाहर जुटे समर्थकों से स्पेनिश में कहा, 'हम राष्ट्रपति ट्रम्प पर भरोसा कर सकते हैं।' हालांकि, ट्रम्प ने अब तक माचाडो को वेनेजुएला की नई नेता के रूप में समर्थन नहीं दिया है। इसकी बजाय वे वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज के साथ काम कर रहे हैं।

**नोबेल संस्थान बोला- पदक के मालिक बदल सकते हैं, लेकिन उपाधि नहीं** ट्रम्प हमेशा नोबेल शांति पुरस्कार लेने की इच्छा जताते रहे हैं। जब यह मचाडो को मिला तो उन्होंने नाराजगी जताई। दूसरी ओर नोबेल कमेटी ने पहले कहा था कि नोबेल पुरस्कार की घोषणा हो जाने के बाद इसे रद्द नहीं किया जा सकता। न ही इसे साझा किया जा सकता है और न ही किसी और को हस्तांतरित किया जा सकता है। यह निर्णय अंतिम है और हमेशा के लिए मान्य रहेगा। वहीं, गुरुवार को व्हाइट हाउस में हुई बैठक से पहले नोबेल संस्थान ने X पर पोस्ट कर बताया कि एक पदक के मालिक बदल सकते हैं, लेकिन नोबेल शांति पुरस्कार विजेता की उपाधि नहीं बदल सकती। अक्टूबर 2025 में मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें 'वेनेजुएला के लोगों के

लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए उनके प्रयासों और तानाशाही से शांतिपूर्ण लड़ाई' के लिए यह सम्मान मिला था।

**मचाडो बोली- वॉशिंगटन के उत्तराधिकारी को मेडल लौटाया :** मचाडो ने ट्रम्प को नोबेल पुरस्कार देते हुए 1825 में अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के हीरो मार्क्विस डे लाफायेट का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, '200 साल पहले मार्क्विस डे लाफायेट ने जॉर्ज वॉशिंगटन की तस्वीर वाला मेडल साइमन बोलिवर को दिया था, जो अमेरिका और वेनेजुएला के बीच स्वतंत्रता की लड़ाई में भाईचारे का प्रतीक था। अब, बोलिवर के लोगों ने वॉशिंगटन के उत्तराधिकारी (ट्रम्प) को नोबेल मेडल लौटाया है। लाफायेट ने दक्षिण अमेरिका के आजादी के नेता साइमन बोलिवर को एक खास सोने का पदक भेजा। इस पदक पर अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन की तस्वीर बनी हुई थी। यह तोहफा दोनों देशों के बीच भाईचारे और तानाशाही के खिलाफ साझा लड़ाई का प्रतीक था। बोलिवर ने इस पदक को बहुत सम्मान दिया और इसे हमेशा पहनते रहे। वेनेजुएला के लोग खुद को बोलिवर के वंशज मानते हैं। ट्रम्प बोले- मचाडो एक अद्भुत महिला, उनसे मिलना सम्मानजनक ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर मारिया कोरिना मचाडो से मुलाकात को सम्मानजनक बताया। उन्होंने कहा- मचाडो एक अद्भुत महिला हैं जिन्होंने बहुत कुछ बर्दाश्त किया है। मारिया ने मेरे अच्छे कामों के लिए मुझे अपना नोबेल शांति पुरस्कार प्रदान किया। हमारे बीच का यह आपसी सम्मान कमाल का है। नोबेल पुरस्कार गिफ्ट करने को लेकर नियम क्या हैं पुरस्कार की घोषणा के बाद इसे रद्द नहीं किया जा सकता। एक बार विजेता घोषित हो गया, तो फैसला हमेशा के लिए अंतिम होता है। पुरस्कार को शेयर नहीं किया जा सकता। कोई दो या ज्यादा लोग इसे साथ में नहीं ले सकते। पुरस्कार को ट्रांसफर या गिफ्ट नहीं किया जा सकता। इसे किसी दूसरे व्यक्ति को नहीं दिया जा सकता।नोबेल लॉरिएट की उपाधि कभी नहीं बदल सकती। सिर्फ मूल विजेता ही हमेशा 'नोबेल पुरस्कार विजेता' कहलाएगा। पदक सोने से बना पुरस्कार है, जो व्यक्तिगत संपत्ति की तरह है। इसे गिफ्ट किया जा सकता है, बेचा जा सकता है, या उधार दिया जा सकता है। यह नियम नोबेल फाउंडेशन के स्टैट्यूट्स पर आधारित हैं। पुरस्कार देने वाली संस्था के फैसले पर कोई अपील नहीं की जा सकती और पुरस्कार स्थायी होता है। बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में वेनेजुएला में संभावित चुनावों के लिए कोई समयसीमा तय की गई है।

# इंदौर में निर्णायक जंग, भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज का फाइनल मुकाबला आज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। पहले दो मुकाबलों में दोनों टीमों ने एक-एक मैच जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। अब तीसरा और अंतिम वनडे रविवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां सीरीज का विजेता तय होगा। दोनों ही टीमें मुकाबले के लिए इंदौर पहुंच चुकी हैं और अहम मैच से पहले तैयारियों में जुट गई हैं।

सीरीज का पहला वनडे वडोदरा में खेला गया था, जहां भारत ने 4 विकेट से जीत दर्ज कर मजबूत शुरुआत की। हालांकि दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने शानदार वापसी करते हुए राजकोट में 7 विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ कीवी टीम ने सीरीज को बराबरी पर ला दिया और निर्णायक मुकाबले की जमीन तैयार कर दी। दूसरे मैच में डैरिल मिशेल का प्रदर्शन न्यूजीलैंड की जीत का सबसे बड़ा आधार रहा। उन्होंने नाबाद 131 रन की बेहतरीन पारी खेली और विल यंग के साथ 162 रनों की अहम साझेदारी की, जिससे 285 रन के लक्ष्य का पीछा करना आसान हो गया। भारतीय टीम के लिए अब सबसे बड़ी चिंता बल्लेबाजों का निरंतर प्रदर्शन रहा है। अब तक बल्लेबाजी उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतर सकी है, ऐसे में निर्णायक मुकाबले में टॉप और मिडिल ऑर्डर से बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षा होगी। दूसरी ओर गेंदबाजी, खासकर स्पिन विभाग, भी सवालों के घेरे में है। घरेलू मैदान पर भारतीय स्पिन गेंदबाज प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। दूसरे वनडे में कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा महंगे साबित हुए। कुलदीप ने 10 ओवर में 82 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि जडेजा ने आठ ओवर में 44 रन खर्च किए। दोनों ने मिलकर 18 ओवर में 126 रन लुटाए, जो टीम के लिए भारी पड़ा। इसके विपरीत न्यूजीलैंड के डेब्यू स्पिनर जेडन लेनॉक्स ने भारतीय बल्लेबाजों पर अच्छा नियंत्रण दिखाया। उन्होंने 10 ओवर में 42 रन

देकर एक विकेट लिया और मध्यक्रम को बांधे रखा। न्यूजीलैंड की इस जीत ने एक बार फिर उस समस्या को उजागर किया है, जिससे भारत पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में जूझ रहा है, जहां मेहमान टीम के स्पिनर भारतीय स्पिन आक्रमण के मुकाबले अधिक प्रभावी नजर आ रहे हैं। इंदौर का होलकर स्टेडियम बल्लेबाजों के लिए जाना जाता है। छोटी बाउंड्री और सपाट पिच के कारण यहां बड़े स्कोर देखने को मिलते हैं। ऐसे में दोनों टीमों के बल्लेबाजों पर एक बार फिर निगाहें रहेंगी। शुक्रवार को दोनों टीमों ने नेट अभ्यास किया, जहां खिलाड़ियों ने पिच और परिस्थितियों को परखा। अब देखना दिलचस्प होगा कि निर्णायक मुकाबले में कौन सी टीम दबाव में बेहतर प्रदर्शन कर सीरीज अपने नाम करती है।

### टीम इस प्रकार है

**भारत की वनडे टीम**

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल

**न्यूजीलैंड की वनडे टीम**

माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), आदि अशोक, क्रिस्टियन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉनवे, ज़ैक फॉल्क्स, मिच हे, काइल जैमीसन, निक केली, जेडन लेनॉक्स, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, माइकल रे, विल यंग।

# ओलंपिक हीरो विजेंदर एशियाई मुक्केबाजी परिषद के सदस्य बने

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय मुक्केबाजी के दिग्गज विजेंदर सिंह को एशियाई मुक्केबाजी परिषद (एशियन बॉक्सिंग काउंसिल) का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह उपलब्धि एक शीर्ष खिलाड़ी से वैश्विक खेल प्रशासक बनने की दिशा में उनके सफर का एक और अहम पड़ाव मानी जा रही है।

विजेंदर भारत के पहले ओलंपिक मुक्केबाज हैं और उनके पास एमेच्योर व पेशेवर मुक्केबाजी–दोनों स्तरों पर करीब दो दशकों का अनुभव है। एशियाई मुक्केबाजी परिषद में उनकी नियुक्ति खेल की गहरी समझ और पूरे एशियाई महाद्वीप में मुक्केबाजी के विकास के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

**विजेंदर बोले - यह मेरे लिए सम्मान की बात**

अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए विजेंदर सिंह ने कहा, 'एशियाई मुक्केबाजी परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त होना मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात है। यह जिम्मेदारी मुझे सौंपने के लिए मैं भारतीय मुक्केबाजी महासंघ और उसके नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे उम्मीद है कि मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से इस भूमिका को निभाऊंगा। जिस तरह हमने बीजिंग ओलंपिक में इतिहास रचा, उसी तरह मैं एशिया में मुक्केबाजी के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। मेरा विशेष फोकस भारतीय मुक्केबाजों पर रहेगा, ताकि भविष्य में हमारे खिलाड़ी और अधिक सफलता हासिल कर सकें।'

**एशियाई मुक्केबाजी परिषद की अहम भूमिका**

एशियाई मुक्केबाजी परिषद पूरे क्षेत्र में खेल के प्रतिस्पर्धी ढांचे और विकासात्मक योजनाओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे में विजेंदर जैसे अनुभवी खिलाड़ी की मौजूदगी परिषद को तकनीकी और रणनीतिक रूप से मजबूत करने में मदद करेगी।

**विजेंदर का सुनहरा खेल करियर**

विजेंदर सिंह भारत की सबसे चर्चित और सफल खेल हस्तियों में से एक हैं। 2008 बीजिंग ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक, राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में कई पदक, इसके बाद पेशेवर मुक्केबाजी में भी प्रभावशाली सफलता, उनकी यह नई भूमिका भारतीय मुक्केबाजी के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई संभावनाओं के द्वार खोल सकती है।

# महिला क्रिकेट में कई सुधारों की जरुरत : सोफी डिवाइन

**नवी मुम्बई (एजेंसी)।** महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्लयूपीएल) के लिए भारत आयीं न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने कहा है कि आजकज जिस तेजी से महिला क्रिकेट बदल रहा है। उसको देखते हुए उसमें कई सुधार किये जाने की जरुरत है। सोफी के अनुसार फील्डिंग नियमों और बाउंड्री के आकार में बदलाव किये जाने की जरुरत है। इस ऑलराउंडर का मानना है कि वर्तमान नियमों से खेल में बल्लेबाज हावी हो रहे हैं। वहीं गेंदबाजों को परेशानी हो रही है। ऐसे में खेल में गेंद और बल्ले के बीच बराबरी के लिए इनमें संतुलन बनाना जरुरी है। अभी महिला क्रिकेट में नॉन-पावरप्ले ओवरों के दौरान अंदरुनी घेरे के बाहर केवल चार फील्डर रखने का नियम है। यह इसलिए लगाया गया है जिससे की अधिक बाउंड्री लगें और रन बने पर सोफी का मानना है कि खेल अब उस स्तर तक पहुंच चुका है जहां इस नियम की समीक्षा जरूरी हो गई है। डिवाइन के अनुसार, बल्लेबाजों की बड़े शॉट खेलने की क्षमता जिस तेजी से बढ़ी है। उसे देखते हुए घेरे के बाहर बाहर पांच फील्डर रखने की दिया जाना चाहिये।

साथ ही उन्होंने छोटी बाउंड्री पर भी सवाल उठाये और कहा कि लीग में बाउंड्री की अधिकतम लंबाई 60 मीटर तय की गई है। इस छोटी बाउंड्री और सीमित फील्डिंग विकल्पों से गेंदबाजों के लिए रन रोकान कठिन हो गया है। उन्होंने कहा कि खासकर सपाट पिचों पर गेंदबाजों के पास अवसर कम हो जाते है और हल्की सी गलत से भी आसानी से बाउंड्री लग जाती है। डिवाइन ने स्वीकार किया कि आज के खेल में बल्लेबाजों की ताकत और आक्रामकता बढ़ी है पर इससे खेल एकतरफा हो रहा है। उनके अनुसार अगर गेंदबाजों को मुकाबले में बनाए रखना है तो फील्डिंग सेटअप और बाउंड्री के आकार पर फिर से विचार करना होगा। गुजरात टाइटंस से खेल रही सोफी ने इस सत्र में जबरदस्त खेल दिखाया है। वह टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन और विकेट लेने वालों में शामिल हैं।

# टी20 में डेविड वॉर्नर का नया कीर्तिमान, शतकों के मामले में विराट कोहली को छोड़ा पीछे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने टी20 क्रिकेट में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिडनी थंडर्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ धमाकेदार शतक जड़कर टी20 क्रिकेट में अपने शतकों की संख्या 10 तक पहुंचा दी। इसके साथ ही वॉर्नर ने इस फॉर्मेट में भारतीय स्टार विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया और सबसे ज्यादा टी20 शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। इस मुकाबले में डेविड वॉर्नर ने दबाव भरी स्थिति में बेहतरीन बल्लेबाजी का नमूना पेश किया। टीम के लगातार विकेट गिरने के बावजूद उन्होंने एक छोर संभाले रखा और रनों की गति को भी बनाए रखा। वॉर्नर ने सिर्फ 65 गेंदों में 110 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें दमदार शॉट्स के साथ अनुभव और संयम का बेहतरीन संतुलन देखने को मिला। उनकी इस शतकीय पारी की बदौलत सिडनी थंडर्स ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 189 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

टी20 क्रिकेट में यह डेविड वॉर्नर का 10वां शतक रहा। इस आंकड़े के साथ उन्होंने विराट कोहली के 9 टी20 शतकों को पीछे छोड़ दिया। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने इस फॉर्मेट में 22 शतक लगाए हैं। इस सूची में दूसरे स्थान पर पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम हैं, जिनके नाम 11 शतक दर्ज हैं। वॉर्नर अब 10 शतकों के साथ तीसरे, जबकि कोहली 9 शतकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। बिग बैश लीग की बात करें तो वॉर्नर के नाम अब तीन शतक दर्ज हो चुके हैं। इसके साथ ही वह बीबीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में बेन मैकडरमॉट और स्टीव स्मिथ के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। खास बात यह भी है कि वॉर्नर का यह शतक बीबीएल के मौजूदा सीजन का आठवां शतक था। इससे पहले किसी एक सीजन में बल्लेबाजों द्वारा इतने शतक नहीं लगाए गए थे, जिससे यह सीजन रिकॉर्डतोड़ साबित हो रहा है।

अगर टी20 करियर के आंकड़ों की तुलना की जाए तो विराट कोहली

और डेविड वॉर्नर दोनों ही इस फॉर्मेट के सबसे सफल बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। कोहली ने 414 टी20 मैचों में 41.92 की औसत से 13,543 रन बनाए हैं, जिसमें 9 शतक और 105 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं वॉर्नर ने 431 टी20 मैचों में 36.82 की औसत से 13,918 रन बनाए हैं और उनके नाम 10 शतक तथा 115 अर्धशतक दर्ज हैं।

# कोच को नेमार के विश्वकप फुटबॉल तक फिट होने की उम्मीद

साओ पाउलो ।ब्राजील के स्टार स्ट्राइकर नेमार आजकल घुटने की सर्जरी से उबर रहे हैं।टीम प्रबंधन और कोच कार्लो एंसेलोटी को उनके अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में खेलने की उम्मीद जतायी जा रही है।नेमार के क्लब सैंटोस ने ककहा है कि उनकी सर्जरी गंभीर नहीं थी। साथ ही उम्मीद जतायी कि ये स्टार खिलाड़ी अब जल्द ही फिटनेस हासिल करने में सफल रहेगा।वहीं नेमार ने कहा, मुझे अब भी उम्मीद है कि मैं विश्व कप में खेलूंगा और ब्राजील की तरफ से फाइनल में गोल करूंगा। उन्होंने अपनी टीम और देश के लिए खेलने के सभी प्रयास करने की भी बात कही। वहीं ब्राजील के कोच

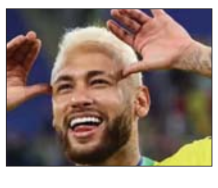

कार्लो एंसेलोटी को भी उम्मीद है कि नेमार विश्वकप से पहले फिट हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अभी नेमार का नाम टीम में शामिल नहीं है पर फिट होते ही उन्हें शामिल कर लिया जाएगा। जिस प्रकार से वह उत्साह से भरे हैं उससे साफ है कि वह खेलना चाहते हैं।वहीं नेमार ने कहा, हम इस बार कप को ब्राजील लाने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। कोच इसमें हमारी सहायता करेंगे। वहीं माना जा रहा है कि नेमार की वापसी टीम के लिए बेहद जरुरी है।इसी कारण सभी की नजरें उनकी फिटनेस पर लगी हैं।

# एशेज चयन पर रिकी पोंटिंग ने उठाए सवाल, ब्यू वेबस्टर को नजरअंदाज करने पर जताई हैरानी

नई दिल्ली ।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग ने एशेज सीरीज के दौरान टीम चयन को लेकर राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की रणनीति पर सवाल खड़े किए हैं।पोंटिंग का कहना है कि वह अब तक यह समझ नहीं पाए हैं कि शानदार फॉर्म में चल रहे ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को नजरअंदाज कर विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिस को प्राथमिकता क्यों दी गई। उनके मुताबिक यह फैसला न सिर्फ चौंकाने वाला था, बल्कि टीम संतुलन के लिहाज से भी पूरी तरह तार्किक नहीं लगता।पोंटिंग ने कहा कि ब्यू वेबस्टर ने अपने छोटे से टेस्ट करियर में ही यह साबित कर दिया है कि वह बड़े मंच पर प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने पिछले साल बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के फाइनल में टेस्ट डेब्यू करते हुए मैच जिताने वाला योगदान दिया था।इसके बावजूद नवंबर में पर्थ में खेले गए एशेज के पहले टेस्ट में उन्हें अंतिम एकादश में शामिल नहीं किया गया। उनकी जगह कैमरन ग्रीन को खिलाया गया, जबकि ब्रिस्बेन और एडिलेड में हुए अगले दो टेस्ट मैचों में भी वेबस्टर को बाहर ही रखा गया। इन मुकाबलों में चयनकर्ताओं ने विकेटकीपर जोश इंग्लिस को टीम में शामिल किया, जिन्होंने नंबर सात पर बल्लेबाजी करते हुए क्रमशः 23, 32 और 10 रन बनाए।पोंटिंग के अनुसार यह चयन कई मायनों में हैरान करने वाला था, क्योंकि वेबस्टर न केवल बल्लेबाजी में भरोसेमंद विकल्प हैं, बल्कि जरूरत पड़ने पर गेंदबाजी से भी टीम को संतुलन प्रदान कर सकते हैं।एक बातचीत में पोंटिंग ने कहा कि वह जानते हैं कि चयनकर्ता आज के दौर में आंकड़ों और डेटा को काफी महत्व देते हैं और संभव है कि कुछ मेट्रिक्स में इंग्लिस आगे रहे हों, लेकिन फिर भी यह फैसला उन्हें समझ से परे लगता है।पोंटिंग का मानना है कि वेबस्टर भले ही बहुत आकर्षक या स्टाइलिश खिलाड़ी न हों, लेकिन वे हालात को बखूबी समझते हैं और टीम की जरूरत के अनुसार योगदान देते हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि उस्मान ख्वाजा की अनुपस्थिति में भविष्य में नंबर पांच पर वेबस्टर के लिए एक मजबूत अवसर बन सकता है। उधर, ब्यू वेबस्टर ने भी एशेज के शुरुआती चार टेस्ट मैचों में मौका न मिलने पर अपनी निराशा जाहिर की थी।हालांकि नए साल में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर उन्हें आखिरकार खेलने का मौका मिला, जहां उन्होंने नाबाद 71 रन की अहम पारी खेली।

# अजिंक्य रहाणे निजी कारणों से रणजी ट्रॉफी के बाकी मैचों से बाहर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मुंबई के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे इस सीजन की रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलते नहीं नजर आएंगे। रहाणे ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) को जानकारी दी है कि वे निजी कारणों से इस सीजन के बचे हुए दो लीग मैचों में हिस्सा नहीं लेंगे। मुंबई अपनी अगली दो लीग मुकाबलों में पहला हैदराबाद के खिलाफ 22 से 25 जनवरी तक और दूसरा दिल्ली के खिलाफ 29 जनवरी से 1 फरवरी तक एमसीए-बीकेसी ग्राउंड पर खेलेगी।

एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रहाणे ने स्पष्ट किया है कि वे इस सीजन के बाकी रेड-बॉल मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। टीम का हैदराबाद मैच के लिए ऐलान किया जाना हैं। रहाणे पिछले दो सीज़न से मुंबई का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, लेकिन जुलाई 2023 के बाद से भारत के लिए खेलते नहीं दिखे। इस रणजी सीजन में उनका प्रदर्शन औसत रहा है, उन्होंने चार मैचों में केवल एक शतक बनाया। 37 वर्षीय रहाणे आगामी आईपीएल सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम का हिस्सा होंगे। इससे पहले उन्होंने मुंबई की कप्तानी भी छोड़ दी थी और शार्दुल ठाकुर को नया कप्तान बनाया गया था। कप्तानी छोड़ने के बावजूद रहाणे ने बतौर खिलाड़ी टीम में योगदान देने की प्रतिबद्धता जताई थी।

रणजी ट्रॉफी की वर्तमान पॉइंट्स टेबल में मुंबई ग्रुप डी में पांच मैचों में तीन जीत और दो ड्रॉ के साथ 24 अंकों के साथ शीर्ष पर है। अब टीम के दो लीग मैच बाकी हैं, जिनमें रहाणे की अनुपस्थिति को ध्यान में रखा जाएगा। अजिंक्य रहाणे ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। उन्होंने 85 टेस्ट में कुल 5077 रन बनाए हैं, जिसमें 12 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। रहाणे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023 के फाइनल में भी खेले थे, जिसमें उन्होंने दो पारियों में कुल 135 रन बनाए थे। हालांकि, उस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 209 रन से हराकर जीत हासिल की थी। रहाणे की अनुपस्थिति में मुंबई की टीम के लिए युवा

खिलाड़ियों को मौके मिल सकते हैं और टीम प्रबंधन को बचे हुए लीग मैचों में रणनीति बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है।

# विश्व कप हॉकी में भारतीय टीम से मिलेगी कड़ी टक्कर : डोरेन

कोपनहेगन ।बेल्जियम के अनुभवी हॉकी खिलाड़ी आर्थर वैन डोरेन ने कहा है कि भारतीय टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में लगातार बेहतर हुआ है ओर वह 2026 में होने वाले विश्व कप में विरोधी टीमों को कड़ी टक्कर देगी।डोरेन का मानना है कि भारतीय टीम को किसी भी प्रकार से कमजोर नहीं माना जा सकता है।डोरेन ने कहा, 'भारत को जीत बड़ा दावेदार न मानना बड़ी भूल होगी। इसका कारण है कि भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में लगातार सफलता हासिल की है।उसने ओलंपिक में भी पिछली बार कांस्य पदक जीता था।इससे साफ है कि टीम का स्तर पहले से बेहतर हुआ है।डोरेन के अनुसार भारतीय टीम का संतुलन अच्छा है। उन्होंने कहा, ''उनके पास हर विभाग में अच्छे खिलाड़ी हैं। उनके

पास एक अच्छा कोच है, युवा वह अनुभवी खिलाड़ी हैं।भारतीय टीम को पिछले कुछ समय में किसे प्रयासों का लाभ मिला है।डोरेन ने कहा कि विश्व कप में किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया सकता है और खिताबी दौड़ बेहद कड़ी होने की संभावना है।उन्होंने कहा, 'भारत और बेल्जियम जैसी टीमों के लिए राह आसान नहीं होगी क्योंकि पांच, छह या सात और टीमें हैं जो हमारी तरह ही बढ़े हुए मनोबल से उतरेंगी हैं।इससे साफ है कि मुकाबला आसान नहीं रहेगा।डोरेन ने भारत के उभरते खिलाड़ियों की तकनीकी क्षमता की भी जमकर प्रशंसा की।उन्होंने कहा, 'भारतीय हॉकी टीम विश्व की किसी भी अन्य टीम की तुलना में अधिक व्यस्त हैं। वे सीखना चाहते हैं, खेलना चाहते हैं और प्रगति करना चाहते हैं।उसके पास कई युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं।उनके खिलाड़ी कम उम्र में ही अपने कौशल को अगले स्तर पर पहुंचा देते हैं।

# टी20 टीम में श्रेयस अय्यर की अचानक वापसी: बीसीसीआई के फैसले के पीछे ये तीन बड़ी वजहें

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम में कुछ अहम बदलावों का ऐलान किया। चोट के कारण वॉशिंगटन सुंदर पूरे सीरीज से बाहर हो गए हैं, उनकी जगह लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा तिलक वर्मा सर्जरी के चलते शुरुआती तीन टी20 मुकाबले नहीं खेल पाएंगे, जिसके बाद चयनकर्ताओं ने उनकी जगह श्रेयस अय्यर को पहले तीन मैचों के लिए स्क्वॉड में शामिल करने का फैसला किया है। श्रेयस अय्यर की यह वापसी कई लोगों के लिए चौंकाने वाली रही, क्योंकि उन्होंने भारत के लिए आखिरी टी20

मैच साल 2023 में खेला था।

दरअसल, श्रेयस अय्यर की वापसी के पीछे पहला बड़ा कारण उनका नेतृत्व कौशल माना जा रहा है। चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट अब अय्यर को भविष्य के लीडर के तौर पर देख रहे हैं। उन्हें हाल ही में वनडे टीम का उप-कप्तान बनाया गया है और आईपीएल व घरेलू क्रिकेट में कप्तान के रूप में उनका रिकॉर्ड काफी प्रभावशाली रहा है। मौजूदा समय में टी20 टीम की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथों में है, जबकि उप-कप्तान अक्षर पटेल हैं। सूर्यकुमार यादव की उम्र 35 साल है और आगामी टी20 वर्ल्ड कप के बाद भारत नए नेतृत्व विकल्पों की ओर बढ़ सकता है। ऐसे में श्रेयस अय्यर एक मजबूत और भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभरते नजर आ रहे हैं।

दूसरा अहम कारण तिलक वर्मा की गैरमौजूदगी से मिडिल ऑर्डर में पैदा हुआ खालीपन है। तिलक के बाहर होने से भारत के मध्यक्रम पर असर पड़ सकता था, जिसे संतुलित करने के लिए श्रेयस अय्यर को चुना गया। अय्यर मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी के अनुभवी खिलाड़ी हैं और नंबर तीन व चार पर खेलने का उन्हें लंबा अनुभव है। वह तिलक वर्मा के लाइक-टू-लाइक रिप्लेसमेंट साबित हो सकते हैं। इसके अलावा, यदि किसी वजह से तिलक वर्मा टी20 वर्ल्ड कप तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाते, तो अय्यर को उनके बैकअप के तौर पर तैयार किया जा सकता है।

तीसरा और सबसे अहम कारण श्रेयस अय्यर की मौजूदा शानदार फॉर्म है। चाहे वनडे हो या टी20, वह लगातार रन बना रहे हैं। घरेलू क्रिकेट से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। आईपीएल 2025 में भी अय्यर बेहतरीन लय में नजर आए थे, जहां उनकी कप्तानी में पंजाब किंग्स फाइनल तक पहुंची थी। उन्होंने उस सीजन में 50 से अधिक की औसत से 604 रन बनाए थे।

# छह साल बाद रॉड लेवर एरिना में लौटे रोजर फेडरर, कैस्पर रूड के साथ किया अभ्यास

मेलबर्न ।ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपनी आखिरी प्रतिस्पर्धी उपस्थिति के करीब छह साल बाद स्विस टेनिस लीजेंड रोजर फेडरर एक बार फिर मेलबर्न के प्रतिष्ठित कोर्ट पर नजर आए।फेडरर ने रॉड लेवर एरिना में नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी कैस्पर रूड के साथ प्रैक्टिस सेशन किया। यह 2020 के बाद पहली बार था, जब फेडरर ऑस्ट्रेलियन ओपन के दौरान इस ऐतिहासिक कोर्ट पर उतरे। हालांकि उन्होंने 2022 में प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास ले लिया था, लेकिन उनकी मौजूदगी ने दर्शकों और टेनिस प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह भर दिया। फेडरर और कैस्पर रूड का आमना–सामना करियर में सिर्फ एक बार हुआ है।दोनों के बीच एकमात्र मुकाबला 2019 में फ्रेंच ओपन के चौथे राउंड में खेला गया था, जहां फेडरर ने सीधे सेटों में जीत दर्ज की थी।अब वर्षों बाद दोनों खिलाड़ियों का साथ अभ्यास करना टेनिस जगत के लिए एक

खास पल बन गया।44 वर्षीय फेडरर ऑस्ट्रेलियन ओपन के सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। उन्होंने अपने करियर के 20 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से छह खिताब मेलबर्न में ही जीते हैं। इस टूर्नामेंट में उनका जीत–हार का रिकॉर्ड 102–15 का शानदार रहा है।फेडरर ने आखिरी बार 2020 में ऑस्ट्रेलियन ओपन खेला था, जहां सेमीफाइनल में उन्हें अंततः चैंपियन बने नोवाक जोकोविच के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद चोटों और फिटनेस समस्याओं के चलते वह धीरे–धीरे प्रतिस्पर्धी टेनिस से दूर होते चले गए।फेडरर रॉड लेवर एरिना में एक विशेष प्रदर्शनी मैच का भी हिस्सा बनेंगे, जो टूर्नामेंट के पहले उद्घाटन समारोह में आयोजित किया जा रहा है।इस प्रदर्शनी मुकाबले में उनके साथ आंद्रे अगासी, पैट्रिक राफ्टर और लेटन हेविट जैसे पूर्व एटीपी नंबर–1 खिलाड़ी भी शामिल होंगे।फेडरर की यह वापसी भले ही प्रतिस्पर्धी न हो, लेकिन टेनिस प्रेमियों के लिए यह यादगार पल साबित हो रहा है।

# आईपीएल विवाद के बाद अब अंडर 19 विश्व कप में तल्खी, भारत - बांग्लादेश के कप्तानों ने नहीं मिलाया हाथ

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** शनिवार को आईसीसी अंडर 19 विश्व कप 2026 के ग्रुप स्टेज मैच में भारत और बांग्लादेश के बीच टॉस के दौरान पारंपरिक हाथ मिलाने की रस्म नहीं हुई। भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे टॉस के लिए आए और बांग्लादेश की ओर से उप-कप्तान ज़ावाद अबरार उपस्थित थे। आईसीसी अंडर 19 विश्व कप में भारत का यह दूसरा मैच है, जबकि बांग्लादेश का यह पहला मैच है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को लेकर भारत और बांग्लादेश के संबंधों में कुछ तनाव है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने खिलाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से अपने मैच भारत से बाहर आयोजित करने का आग्रह किया है। यह अनुरोध तब आया जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की टीम से बाहर करने को कहा था, और यह कदम बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचारों के बीच उठाया गया था।

आईसीसी सूत्रों ने सोमवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सुरक्षा विशेषज्ञों द्वारा किए गए स्वतंत्र जोखिम आकलन से यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि बांग्लादेश भारत में अपने निर्धारित टी20 विश्व कप मैच नहीं खेल सकता। सूत्रों ने बताया कि भारत में टूर्नामेंट के लिए समग्र सुरक्षा जोखिम को निम्न से मध्यम श्रेणी का माना गया है, जो कई प्रमुख वैश्विक खेल आयोजनों के अनुरूप है।

सूत्रों ने कहा कि स्वतंत्र जोखिम आकलन में बांग्लादेश टीम, उसके अधिकारियों या भारत में मैच स्थलों के लिए किसी विशिष्ट या प्रत्यक्ष खतरे की पहचान नहीं की गई है।

उन्होंने कहा कि प्राप्त पेशेवर सलाह के आधार पर, कोलकाता और मुंबई में बांग्लादेश के निर्धारित मैचों से जुड़ा जोखिम निम्न से मध्यम श्रेणी का है, और ऐसे किसी जोखिम का कोई संकेत नहीं है जिसे स्थापित सुरक्षा योजना और शमन उपायों के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रबंधित नहीं किया जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि आईसीसी हाल के दिनों में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में बांग्लादेश की भागीदारी के संबंध में की गई सार्वजनिक टिप्पणियों से अवगत है, जिसमें आईसीसी के सुरक्षा जोखिम आकलन का चुनिंदा उल्लेख भी शामिल है।

# भारत-यूरोपीय संघ एफटीए महत्त्वपूर्ण, देशहित से कोई समझौता नहीं : गोयल

**- 27 जनवरी को व्यापार वार्ता पूरी होने की घोषणा संभव**

**नई दिल्ली ।**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) अब तक किए गए सभी व्यापार समझौतों में सबसे महत्त्वपूर्ण होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस समझौते में देश के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और सभी संवेदनशील मुद्दों का समाधान भारत की संतुष्टि के अनुरूप किया जाएगा। स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम के अवसर पर गोयल ने कहा कि उन्होंने अब तक सात मुक्त व्यापार समझौते किए हैं और ये सभी विकसित देशों के साथ हुए हैं। भारत-ईयू एफटीए को उन्होंने इसलिए भी खास बताया क्योंकि दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच सीधी प्रतिस्पर्धा बहुत कम है। उनके अनुसार यह समझौता भारत और यूरोपीय संघ, दोनों के लिए फायदे का सौदा साबित होगा। इससे एक दिन पहले वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने संकेत दिया था कि भारत और ईयू के बीच चल रही व्यापार वार्ता के संपन्न होने की घोषणा 27 जनवरी को की जा सकती है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार, प्रस्तावित समझौते में व्यापार से जुड़े सभी प्रमुख पहलुओं को शामिल किया जाएगा, हालांकि कृषि से जुड़े कुछ संवेदनशील विषयों को बातचीत से बाहर रखा गया है। गोयल ने कार्बन बॉर्डर समायोजन प्रणाली (सीबीएएम) और डेरी जैसे मुद्दों पर सरकार के रुख को स्पष्ट करते हुए कहा कि इन सभी विषयों पर भारत के हितों की पूरी रक्षा की जाएगी। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों की व्यापार नीति की आलोचना करते हुए कहा कि पहले कमजोर स्थिति में समझौते किए गए, जिनसे घरेलू उद्योगों और किसानों को नुकसान हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि आरसीईपी जैसे समझौतों में शामिल होने का अर्थ चीन के साथ एफटीए होता, जो 'मेक इन इंडिया', लघु उद्योगों और किसानों के लिए नुकसानदेह होता। गौरतलब है कि 25 से 27 जनवरी तक यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 16वें भारत-ईयू शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे और गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि भी होंगे।

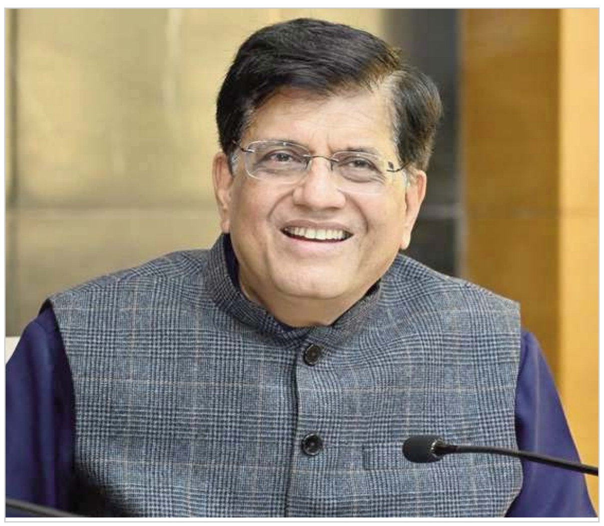

## गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 26 पैसे और डीजल 30 पैसे सस्ता

**नई दिल्ली ।**

सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 26 पैसे सस्ता होकर 94.90 रुपए प्रति लीटर और डीजल 30 पैसे गिरकर 88.01 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। पहाड़ी राज्य उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में भी पेट्रोल 26 पैसे घटकर 93.43 रुपए और डीजल 31 पैसे घटकर 88.33 रुपए प्रति लीटर हो गया। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 35 पैसे बढ़कर 105.58 रुपए और डीजल 33 पैसे बढ़कर 91.82 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। देश के प्रमुख शहरों में दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपए और डीजल 87.67 रुपए, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपए और डीजल 89.97 रुपए, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपए और डीजल 91.76 रुपए तथा चेन्नई में पेट्रोल 101.03 रुपए और डीजल 92.61 रुपए प्रति लीटर बिक रहे हैं।

## आरबीआई की संशोधित लोकपाल योजना जारी, शिकायतों का होगा त्वरित निवारण

**नई दिल्ली ।**

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने संशोधित रिज़र्व बैंक- एकीकृत लोकपाल (ओंबड्समैन) योजना, 2026 जारी कर दी है। यह योजना 1 जुलाई, 2026 से लागू होगी और इसका उद्देश्य ग्राहकों की शिकायतों का तेज़, सरल और कम लागत वाला निवारण सुनिश्चित करना है। आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि योजना के तहत शिकायतों की प्रक्रिया संक्षिप्त होगी और यह साक्ष्य के नियमों से बाध्य नहीं होगी। योजना का लक्ष्य ग्राहकों को तुरंत राहत और न्याय दिलाना है। आरबीआई अपने अधिकारियों को लोकपाल और उप-लोकपाल के रूप में नियुक्त करेगा। नियुक्ति अवधि सामान्यतः तीन साल होगी। लोकपाल और उप-लोकपाल बैंकिंग कानून, आरबीआई के नियम और दिशा-निर्देश ध्यान में रखते हुए शिकायतों का निवारण करेंगे। ग्राहक अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा, आरबीआई सेंट्रलाइज्ड रिसीप्ट एंड प्रोसेसिंग सेंटर के माध्यम से शिकायतों को प्राप्त और जांचेगा। लोकपाल के पास विवाद की राशि पर कोई सीमा नहीं है। वह समझौते की सुविधा दे सकता है या निर्णय पारित कर सकता है। सीधे हुए नुकसान के लिए 30 लाख रुपये तक और समय, खर्च या मानसिक पीड़ा के लिए 3 लाख रुपये तक क्षतिपूर्ति का प्रावधान है।

## कच्चे जूट की बढ़ती कीमतों पर आजेएमए ने की सरकार से हस्तक्षेप की मांग

**- दक्षिण बंगाल के टीडीएन-3 ग्रेड जूट की कीमतें अब तक का उच्चतम स्तर पर**

**कोलकाता ।**

इंडियन जूट मिल्स एसोसिएशन (आईजेएमए) ने केंद्र सरकार से कच्चे जूट की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने और फाइबर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। एसोसिएशन ने जूट आयुक्त अमृत राज को लिखे पत्र में कहा कि मिलों के पास कच्चे जूट की आपूर्ति में गंभीर कमी आ गई है। दिसंबर 2025 में भंडार में लगभग 1.25 लाख गांठों की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, दक्षिण बंगाल के टीडीएन-3 ग्रेड जूट की कीमतें 13,000 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गई हैं, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। आईजेएमए का कहना है` कि इस आपूर्ति संकट और कीमतों में तेजी के कारण कई जूट मिलें उत्पादन बंद करने या इसे घटाने पर मजबूर हुई हैं। इसके परिणामस्वरूप लगभग 75,000 श्रमिक बेरोजगार हो चुके हैं। मिलों की यह स्थिति उद्योग की स्थिरता और जूट उत्पादक क्षेत्र के रोजगार पर गंभीर असर डाल रही है। कीमतों में वृद्धि को रोकने और जूट फाइबर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आईजेएमए ने सुझाव दिया है कि व्यापारियों, डीलरों, स्टॉकिस्टों और एजेंसियों को अपने कच्चे जूट के भंडार को 31 मार्च तक

बेचने की अनुमति दी जाए। इसके बाद निजी स्तर पर किसी भी प्रकार का जूट व्यापार अवैध माना जाएगा। एसोसिएशन का मानना है कि इससे मिलों को आवश्यक कच्चा माल मिलेगा और श्रमिकों की रोज़गार सुरक्षा बनी रहेगी।

## अप्रैल से यपूीआई के जरिए ईपीएफ निकासी संभव

**- ईपीएफ खाते की पूरी राशि निकालने की अनुमति नहीं होगी**

**नई दिल्ली ।**

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के करोड़ों अंशधारकों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार ईपीएफओ इस साल अप्रैल तक ऐसी व्यवस्था लागू करने की तैयारी कर रहा है, जिसके तहत सदस्य यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से अपनी कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) से आंशिक निकासी कर सकेंगे। इस नई प्रणाली के जरिए निकाली गई राशि सीधे संबंधित सदस्य के बैंक खाते में जमा होगी। सूत्रों ने बताया कि इस सुविधा के अंतर्गत ईपीएफ खाते की पूरी राशि निकालने की अनुमति नहीं होगी। सदस्य अपनी पात्र राशि में से अधिकांश हिस्सा निकाल सकेंगे, जबकि न्यूनतम 25 प्रतिशत राशि भविष्य निधि खाते में सुरक्षित रखी जाएगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अंशधारकों को ईपीएफ पर मिलने वाले उच्च ब्याज और चक्रवृद्धि लाभ का फायदा लगातार मिलता रहे। वर्तमान में ईपीएफ पर 8.25 प्रतिशत ब्याज दर लागू है। नई व्यवस्था के तहत ईपीएफओ सदस्य अपने यूपीआई पिन का उपयोग कर सुरक्षित लेनदेन कर सकेंगे। बैंक खाते में पैसा आने के बाद उसका उपयोग यूपीआई भुगतान, एटीएम निकासी या डेबिट कार्ड के जरिए किया जा सकेगा। ईपीएफओ इस प्रणाली के सुचारू क्रियान्वयन के लिए सॉफ्टवेयर से जुड़ी तकनीकी खामियों को दूर करने में जुटा हुआ है।

# सेंसेक्स और निफ्टी में वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सप्ताहभर उतार-चढ़ाव रहा

**- सेंसेक्स 187 अंक बढ़कर 83,570 पर और निफ्टी 28 अंक बढ़कर 25,694.35 पर बंद हुआ**

**मुंबई ।**

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने मिश्रित संकेत दिखाए, जिसमें ग्लोबल अनिश्चितताओं, जियोपॉलिटिकल तनाव और विदेशी निवेशकों के लगातार आउटफ्लो के दबाव के बीच सेंसेक्स और निफ्टी लगभग सपाट स्तर पर बंद हुए। हफ्ते की शुरुआत सोमवार को बाजार में कमजोरी के साथ हुई। विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी, अमेरिकी टैरिफ बढ़ाने की आशंकाएँ और वैश्विक जियोपॉलिटिकल अनिश्चितताओं के कारण सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 455.35 अंक गिरकर 83,120.89 पर आ गया। निफ्टी भी 135.35 अंक की गिरावट के साथ 25,547.95 पर पहुंचा। हालांकि दिन के अंत तक सेंसेक्स और निफ्टी में सुधार देखा गया और दोनों इंडेक्स मजबूत बढ़त के साथ बंद हुए। मंगलवार को बाजार ने शुरुआती तेजी दिखाई, लेकिन विदेशी निधियों की निरंतर निकासी और ब्लू-चिप शेयरों में बिकवाली के कारण दिन के अंत में सेंसेक्स 250.48 अंक गिरकर 85,627.69 पर और निफ्टी 57.95 अंक गिरकर 26,732.30 पर बंद हुआ। बुधवार को भी शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव जारी रहा, और सेंसेक्स 244.98 अंक गिरकर 83,382.71 पर, निफ्टी 66.70 अंक गिरकर 25,665.60 पर बंद हुआ। गुरुवार को मुंबई महानगरपालिका चुनाव के कारण

बाजार बंद रहा। शुक्रवार को बाजार ने सप्ताह के समापन पर हल्की बढ़त दर्ज की। सेंसेक्स 187.64 अंक बढ़कर 83,570.35 पर और निफ्टी 28.75 अंक बढ़कर 25,694.35 पर बंद हुआ। सासाहिक समीक्षा के मुतो बिक विदेशी निधियों की निकासी और वैश्विक बाजारों की अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय शेयर बाजार ने हफ्ते भर उतार-चढ़ाव के बीच स्थिरता बनाए रखी। निवेशक सतर्क रहे, लेकिन सप्ताह के अंत में बाजार ने मामूली सुधार दिखाया, जिससे संकेत मिलता है

## शैडोफैक्स टेक्नोलॉजी का आईपीओ 20 जनवरी को आएगा

**नई दिल्ली ।**

शैडोफैक्स टेक्नोलॉजी मेनबोर्ड आईपीओ के जरिए 1,907.27 करोड़ जुटाने जा रही है। कंपनी 8.06 करोड़ फ्रेश शेयर और 7.32 करोड़ ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शेयर जारी करेगी। आईपीओ का प्राइस बैंड 118 से 124 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। एक लॉट में 120 शेयर हैं, इसलिए रिटेल निवेशकों को न्यूनतम 14,880 रुपए का निवेश करना होगा। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 75 फीसदी शेयर आरक्षित हैं। रिटेल निवेशकों के लिए 10 फीसदी और नॉन-इंस्टिट्यूशनल निवेशकों (एनआईआई) के लिए 15 फीसदी रिजर्व रखा गया है। ग्रे मार्केट में आईपीओ मजबूती से ट्रेड कर रहा है। वर्तमान में 15 रुपए के प्रीमियम पर चल रहा है, जिससे अनुमानित लिस्टिंग गेन 12.10 फीसदी है। सबसे अधिक जीएमपी 16 रुपए दर्ज किया गया। ओएफएस में फ्लिपकार्ट, नोकिया ग्रोथ पार्टनर, इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन समेत अन्य प्रमोटर्स शेयर बेच रहे हैं। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लीड मैनेजर और केफिन टेक्नोलॉजी रजिस्ट्रार के रूप में काम कर रहे हैं। आईपीओ 20 जनवरी से 22 जनवरी तक खुला रहेगा।

## टाटा टेक्नोलॉजीज का मुनाफा 96 फीसदी गिरा

**दिसंबर 2025 तिमाही में एकमुश्त ग्रेच्युटी प्रावधान से मुनाफे पर दबाव**

**नई दिल्ली ।**

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 96 प्रतिशत घटकर 6.64 करोड़ रुपये रह गया। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी ने 168.64 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। कंपनी ने बताया कि मुनाफे में भारी गिरावट की मुख्य वजह नए लेबर कोड का सांविधिक असर है। टाटा टेक्नोलॉजीज ने विशिष्ट मद के तहत 114 करोड़ रुपये की ग्रेच्युटी का प्रावधान किया है। यह असर 21 नवंबर 2025 को सरकार द्वारा अधिसूचित चार नए लेबर कोड में वेतन की परिभाषा में बदलाव के कारण पड़ा। दिसंबर 2025 तिमाही में कंपनी कापरिचालन राजस्व 1,365.73 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही में 1,317.38 करोड़ रुपये था। वहीं, कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 1,217.99 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 1,119.31 करोड़ रुपये था। कंपनी के एक वेरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि तीसरी तिमाही ने व्यवसाय की मजबूती को दर्शाया है। मौसमी नरमी और अल्पकालिक चुनौतियों के बावजूद कंपनी ने वृद्धि दर्ज की है।

# इंडिगो ने दिसंबर में रद्द हुई उड़ानों के लिए यात्रियों के पैसे वापस किएः डीजीसीए

**- एयरलाइन ने या त्रियों को 5,000 के दो यात्रा वाउचर भी दिए**

**नई दिल्ली ।**

केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने संसद में जानकारी दी कि घरेलू एयरलाइन इंडिगो को तुरंत रिफंड जारी करने का आदेश दिया गया था। मंत्री ने बताया कि 750 करोड़ रुपये से अधिक राशि प्रभावित यात्रियों तक पहले ही पहुंच चुकी है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने भी कहा कि इंडिगो ने 3 से 5 दिसंबर के बीच रद्द हुई उड़ानों के यात्रियों का पैसा वापस कर दिया है। इंडिगो ने प्रभावित यात्रियों की मदद के लिए एक और कदम उठाया है। एयरलाइन ने उन्हें 5,000 रुपये के दो यात्रा वाउचर दिए हैं, जिनकी मान्यता 12 महीने तक है। यह कदम यात्रियों को भविष्य में यात्रा में मदद करने के लिए उठाया गया है।

डीजीसीए के नियमों के अनुसार, एयरलाइंस को उन सुविधाओं और मुआवजे का भुगतान करना आवश्यक है, जो बोर्डिंग से मना करने, उड़ान रद्द करने या देरी होने पर यात्रियों को प्रदान की जाती हैं। नियामक ने कहा कि वह इंडिगो के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं ताकि सभी यात्रियों को उचित रिफंड और मुआवजा सुनिश्चित किया जा सके। हालांकि, कुछ यात्रियों ने सोशल मीडिया पर शिकायत की है कि 2 से 9 दिसंबर के बीच अचानक रद्द हुई सैकड़ों उड़ानों का रिफंड उन्हें अभी तक नहीं मिला*। डीजीसीए ने इन मामलों पर भी ध्यान देने का आश्वासन दिया है।

# एसबीआई ने एटीएम ट्रांजेक्शन शुल्क बढ़ाया

**- फ्री लिमिट के बाद महंगा होगा कैश और बैलेंस चेक**

**नई दिल्ली ।**

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने एटीएम से पैसे निकालने के शुल्क में वृद्धि की है।

अब फ्री ट्रांजैक्शन लिमिट खत्म होने के बाद दूसरे बैंक के एटीएम से कैश निकालना और नॉन-फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन करना पहले से महंगा हो गया है।

नए नियमों के अनुसार कैश विदड्रॉल पर प्रति ट्रांजैक्शन 23 रुपए जीएसटी से हित और बैलेंस चेक या मिनी स्टेटमेंट जैसे नॉन-फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन पर 11 रुपए जीएसटी से हित चार्ज देना होगा। इस बढ़ोतरी का असर सभी ग्राहकों पर नहीं होगा। बीएसबीडी अकाउंट एसबीआई एटीएम का इस्तेमाल करने वाले एसबीआई डेबिट कार्ड होल्डर्स और किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) अकाउंट पर नए चार्ज लागू नहीं होंगे। एसबीआई सेविंग्स अकाउंट धारकों को पहले की तरह दूसरे बैंक के एटीएम पर हर महीने 5 फ्री ट्रांजेक्शन मिलते रहेंगे।

इसके बाद कैश विदड्रॉल पर 23 रुपए और बैलेंस चेक/मिनी स्टेटमेंट पर 11 रुपए चार्ज लगेगा।

बैंक ने इंटरचेंज फीस में हालिया बढ़ोतरी और ऑपरेशनल लागत में इजाफे को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। एसबीआई का कहना है

कि एटीएम ट्रांजैक्शन से जुड़े खर्चों में वृद्धि के कारण चार्ज बढ़ाना जरूरी था।

# बजट के दिन रविवार को भी खुलेगा शेयर बाजार

**1 फरवरी को सामान्य दिनों की तरह ट्रेडिंग होगी, 9 साल बाद बनेगा वर्किंग संडे**

**मुंबई ।**

1 फरवरी को रविवार होने के बावजूद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सामान्य दिनों की तरह कामकाज होगा। एक्सचेंजों ने शनिवार को सर्कुलर जारी कर इसकी आधिकारिक घोषणा की है। सरकार के निर्देशों के बाद यह फैसला लिया गया है ताकि बजट घोषणाओं पर निवेशक रियल-टाइम में रिएक्ट कर सकें।

यह पिछले 9 सालों में पहला मौका होगा जब केंद्रीय बजट के लिए शेयर बाजार रविवार को खुलेगा। इससे पहले साल 2017 में भी 1 फरवरी को रविवार था और तब भी मार्केट में ट्रेडिंग हुई थी। आमतौर पर शनिवार और रविवार को बाजार बंद रहता है, लेकिन बजट जैसी बड़ी आर्थिक घटनाओं के लिए एक्सचेंज स्पेशल ट्रेडिंग डे घोषित करते हैं।

**समय में कोई बदलाव नहीं**

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, 1 फरवरी को इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स, करेंसी और कमोडिटी समेत सभी सेगमेंट्स में ट्रेडिंग होगी। जानकारों का कहना है कि रविवार को शेयर मार्केट खोलने का फैसला इसलिए लिया गया है कि बजट में टैक्स स्लैब, कैपिटल एक्सपेंडिचर और सेक्टर से जुड़ी बड़ी घोषणाएं होती हैं। अगर रविवार को बाजार बंद रहता, तो निवेशकों को सोमवार का इंतजार करना पड़ता। इससे सोमवार को बाजार में भारी उतार-चढ़ाव होने का डर रहता है। रविवार को मार्केट खुला रहने से निवेशक बजट के हर पॉइंट पर तुरंत अपनी रणनीति बना सकेंगे।

**सेटलमेंट साइकिल में कोई बदलाव नहीं**

एक्सचेंजों ने साफ किया है कि भले ही रविवार को ट्रेडिंग हो रही है, लेकिन क्लियरिंग और सेटलमेंट की प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं होगा। यह विशेष ट्रेडिंग डे फरवरी 2026 के हॉलिडे कैलेंडर का इकलौता अपवाद होगा। ट्रेडर्स को सलाह दी गई है कि वे रविवार के सत्र के लिए अपने सिस्टम और फंड की तैयारी पहले से कर लें।

# पेड नेगेटिव पीआर पर भड़कीं सोनल चौहान

बॉलीवुड में पेड नेगेटिव पीआर और सोशल मीडिया ट्रोलिंग अब एक बड़ी समस्या बन चुकी है। कई एक्टर्स इस तरह की जानबूझकर फैलाई जा रही नकारात्मकता से परेशान हैं। इसी बीच अभिनेत्री सोनल चौहान ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की और कहा कि किसी को नीचा दिखाकर कोई खुद ऊपर नहीं उठ सकता। सोनल का मानना है कि बॉलीवुड में कॉम्पिटिशन तो होनी चाहिए, लेकिन वह सकारात्मक और रचनात्मक हो। ट्रोलिंग और पेड नेगेटिविटी से न सिर्फ एक्टर्स की मानसिक शांति प्रभावित होती है, बल्कि उनके काम और मेहनत पर भी बुरा असर पड़ता है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर किए पोस्ट के जरिए अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, एक्टर्स के खिलाफ चल रही ये पेड पीआर अब बंद होनी चाहिए। इतनी नेगेटिविटी की कोई जरुरत नहीं है। किसी को बुरा दिखाकर कोई अच्छा नहीं बन सकता। हम एक-दूसरे के लिए खुश क्यों नहीं हो सकते? सब बहुत मेहनत करते हैं, अगर हम सपोर्ट करें, तो इंडस्ट्री का माहौल बहुत बेहतर हो सकता है। हमें बस थोड़ा सकारात्मक रहना है।

सोनल से पहले कई एक्टर्स पेड नेगेटिव पीआर के खिलाफ आवाज उठाते दिखे। तारा सुतारिया ने हाल ही में बताया कि उनके खिलाफ पेड नेगेटिव पीआर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि झूठी अफवाहें और ट्रोलिंग से उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। वे चाहती हैं कि लोग उनके काम पर फोकस करें, न कि बनाई हुई कहानियों पर। यामी गौतम ने भी पेड हाइप और नेगेटिव कैंपेन को इंडस्ट्री के लिए खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि यह एक तरह की वसूली है, जो धीरे-धीरे दीमक की तरह पूरी इंडस्ट्री को खा जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री से इस कल्चर को खत्म करने की अपील की। ऋतिक रोशन ने पेड पीआर पर गहरा बयान दिया। उन्होंने बताया कि सबसे कीमती चीज जो खो जाती है, वह है पत्रकारों की सच्ची आवाज। पैसे के दबाव में उनकी कलम बंध जाती है, सच बोलने की आजादी छिन जाती है। सच्ची राय ही असली फीडबैक है, जो हमें बेहतर बनाती है। लेकिन, पेड पीआर के चक्कर में वह चीज खत्म हो जाती है।

# द ब्लफ से पहले बर्फी से लेकर मैरी कॉम तक, इन फिल्मों में प्रियंका चोपड़ा ने निभाए दमदार किरदार

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म द ब्लफ को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म 25 फरवरी को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वह एक अलग किरदार में नजर आएंगी, जहां वह अपने परिवार की रक्षा करती हुई नजर आएंगी। ऐसे में हम आपको प्रियंका चोपड़ा के उन किरदारों से मिलवा रहे हैं जिनके लिए उनकी काफी तारीफ हुई है।

## द स्काई इस पिंक

द स्काई इस पिंक (2019) में प्रियंका चोपड़ा ने अदिति चौधरी नाम की एक मां का किरदार निभाया। इसमें वह खुश, दुखी और बहादुर दिखी हैं। फिल्म में वह अपनी बेटी के साथ सुखी और दुखी दोनों हुई हैं। उनकी दिल को छू लेने वाली अदाकारी की वजह से यह फिल्म उनकी सबसे भावुक फिल्मों में से एक बन गई है।

## बाजीराव मस्तानी

बाजीराव मस्तानी (2015) में प्रियंका चोपड़ा ने काशीबाई नाम की महिला का किरदार निभाया। प्रियंका का यह किरदार गरिमा और सम्मान से भरा था। वह अपने प्यार को खोने का दुख चुपचाप सह रही थी। फिल्म में उन्होंने ऐसा अभिनय किया कि सिर्फ चेहरे के हाव-भाव से गहरा दुख जताया। फिल्म की कहानी में उनकी अदाकारी का बड़ा योगदान है।

## मैरी कॉम

फिल्म मैरी कॉम (2014) में प्रियंका चोपड़ा ने बॉक्सर मैरी कॉम का किरदार निभाया है। इस किरदार को निभाने के लिए उन्होंने अपने अंदर कई बदलाव किए थे। उन्होंने जो किरदार निभाया वह एक एथलीट की मजबूती, लगन और मानसिक ताकत को दिखाती थी। इस किरदार को निभाते हुए उन्होंने एक मां और एक पत्नी का भी किरदार बखूबी निभाया।

## बर्फी

साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म बर्फी में प्रियंका चोपड़ा ने झिलमिल नाम की लड़की का किरदार निभाया। इसमें दिखाया गया है कि प्रियंका ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से पीड़ित होती हैं। इसमें उन्होंने शांत लेकिन दमदार अदाकारी की है। इसमें उन्होंने बिना बोले रणबीर कपूर से प्यार जताया है। दर्शकों को उनके हाव-भाव और चेहरे के एक्सप्रेशन पसंद आए।

## फैशन

फिल्म फैशन (2008) में प्रियंका चोपड़ा ने मेघना माथुर नाम की एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया जो किसी भी कीमत पर फैशन की दुनिया में एक सफल मॉडल बनना चाहती हैं। वह चमक-धमक की दुनिया में आकर अपना रास्ता भटक जाती है। फिल्म में उनके काम की खूब तारीफ हुई।

# आठवीं बार डायरेक्शन की तैयारी में करण जौहर

बालीबुड के मशहा डायरेक्टर कराया जौहर एक बार फिर लीवुड के मशहूर डायरेक्टर करण जौहर एक बार फिर डायरेक्टोरियल फिल्म एक ग्रैंड स्केल फैमिली ड्रामा होगी, जो 2001 की सुपरहिट फिल्म कभी खुशी कभी गम के स्पेस में बनेगी। नए साल की शुरुआत में ही करण ने इसकी स्क्रिप्ट लॉक कर ली है। बताया जा रहा है कि यह धर्मा प्रोडक्शंस की थिएट्रिकल रिलीज के लिए सबसे बड़ी फिल्म साबित हो सकती है। करण जौहर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की सफलता के बाद फैमिली ड्रामा में वापसी कर रहे हैं। यह उनकी अब तक की सबसे भव्य फिल्म होगी, जिसमें हाई-ऑक्टेन ड्रामा के साथ रोमांस और इमोशनल कोर मजबूत रहेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक... साल 2026 के मध्य में फिल्म का प्री-प्रोडक्शन शुरू होगा और 2026 के अंत तक फिल्म फ्लोर पर जाएगी। फिल्म के टाइटल को लेकर भी खासी चर्चा है। फिल्म का टाइटल कभी खुशी कभी गम 2 हो सकती है। करण ने अपने डायरेक्टोरियल सफर की शुरुआत फिल्म कुछ कुछ होता है से की थी। अब तक वो कभी खुशी कभी गम, कभी अलविदा ना कहना, माई नेम इज खान, स्टूडेंट ऑफ द ईयर, ऐ ऐ दिल है मुश्किल और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का निर्देशन कर चुके हैं।

# 'तान्हाजी' का सेकेंड पार्ट बनाएंगे अजय देवगन?

अजय देवगन की साल 2020 में आई सुपरहिट फिल्म 'तान्हाजीः द अनसंग वॉरियर' को रिलीज हुए आज छह साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर अजय देवगन ने एक पोस्ट साझा की है। अब अजय की इस पोस्ट ने लोगों में ये उत्सुकता जगा दी है कि क्या 'तान्हाजी' का सेकंड पार्ट भी आ रहा है? क्या अजय देवगन एक बार फिर किसी मराठा योद्धा की कहानी को लेकर आने वाले हैं? अजय देवगन ने 'तान्हाजी' के छह साल पूरे होने पर अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट में अजय ने फिल्म के अलग-अलग सीन के ऑयल पेंटिंग वाले पोस्टर साझा किए हैं। इनमें अजय के साथ काजोल, सैफ अली खान और शरद केलकर के भी पोस्टर नजर आ रहे हैं। लेकिन इसके साथ ही अजय देवगन के कैप्शन ने सबका ध्यान खींचा है। अजय ने मराठी में कैप्शन लिखा, जिसका अर्थ है 'किला तो आ गया लेकिन शेर चला गया।' इसके साथ ही अजय ने कैप्शन में लिखा, 'लेकिन कहानी अभी पूरी नहीं हुई।' अजय के इस कैप्शन के बाद ही फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर कयास लगने लगे हैं।

साल 2020 में रिलीज हुई 'तान्हाजीः द अनसंग वॉरियर' का निर्देशन भी ओम राउत ने किया है। जबकि फिल्म को अजय देवगन फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 17वीं सदी के मराठा योद्धा सूबेदार तानाजी मालुसरे की कहानी पर आधारित है। फिल्म में काजोल ने तान्हाजी की पत्नी सावित्रीबाई की भूमिका निभाई है। जबकि सैफ अली खान फिल्म में निगेटिव किरदार में नजर आए हैं। उन्होंने महाराजा उदयभान सिंह राठौर की भूमिका निभाई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी।

# बोमन ईरानी ने शुरू की खोसला का घोंसला 2 की शूटिंग

साल 2006 में रिलीज हुई अनुपम खेर की फिल्म 'खोसला का घोंसला' का सीक्वल की तैयारी शुरू हो चुकी है। हाल ही में इस फिल्म के दूसरे पार्ट की शूटिंग पर फिल्म की स्टार कास्ट नजर आई। बोमन ईरानी ने भी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है। साथ ही फिल्म से जुड़ा एक अपडेट भी शेयर किया है।

## बोमन ईरानी ने अपनी पोस्ट में क्या लिखा?

बोमन ईरानी ने मंगलवार को एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा करते हुए फिल्म 'खोसला का घोंसला' फिल्म का डायलॉग शेयर किया। यह उनके किरदार का कहा हुआ पॉपुलर डायलॉग है। जिसमें वह कहते हैं, 'आप पार्टी कर रहे हैं या ब्रोकर।' आगे अपनी पोस्ट में बोमन ईरानी लिखते हैं, 'खोसला का घोंसला 2 के सेट पर कमल खोसला और बंटी के साथ किशन खुराना के रूप में वापसी।'

## अनुपम खेर ने भी शेयर की शूटिंग की बीटीएस पिक्चर्स

बोमन ईरानी से पहले अनुपम खेर ने फिल्म 'खोसला का घोंसला 2' की शूटिंग से जुड़ी बीटीएस फोटो शेयर की थीं। इन फोटोज में रणवीर शौरी, किरण जुनेजा और परवीन डब्बास और तारा शर्मा नजर आ रहे हैं। अनुपम खेर ने बीटीएस फोटो शेयर करते हुए एक कैपशन भी लिखा, 'खोसला लौट आए हैं। मैं लगभग चार दशक से फिल्मों का हिस्सा रहा हूं लेकिन कभी भी मैंने किसी फिल्म के लिए इतना पागलपन नहीं देखा, जैसा खोसला का घोंसला के पार्ट 2 के लिए देखा है।'

## अनुपम खेर की 550वीं फिल्म होगी 'खोसला का घोंसला'

कुछ दिन पहले जब फिल्म 'खोसला का घोंसला 2' के बनने की बात अनुपम खेर ने शेयर की थी तो बताया था कि यह उनकी 550 वीं फिल्म है। फिल्म खोसला का घोंसला की बात करें तो इस दिबाकर बैनर्जी ने डायरेक्ट किया था। फिल्म की कहानी में एक खोसला परिवार होता है, जिसको एक जमीन कब्जा करने वालों के बीच फंस जाते हैं। कैसे वह अपनी जमीन वापस हासिल करते हैं, इस कहानी को बड़े ही मजेदार और कॉमिक ढंग से दिखाया गया था।

# राजू हिरानी की स्क्रिप्ट में इम्प्रोवाइजेशन की गुंजाइश ही नहीं होती

**झ्रस्टाइल के बंटू बनकर हंसी गुदगुदाने वाले, तो कभी 3 इडियट्स के राजू रस्तोगी बनकर दर्शकों की आंखें नम करने वाले शरमन जोशी एक सशक्त अभिनेता हैं। इस बातचीत में शरमन ने अपने करियर से जुड़े किस्से साझा किए।**

## स्टाइल कैसे बनी थी?

उस दौर में इस तरह की यूथफुल कॉमेडी फिल्में बहुत कम बनती थीं। इसका सबसे बड़ा श्रेय निर्देशक एन. चंद्रा साहब को जाता है। उस समय वे अपने करियर के शिखर पर थे और उन्होंने इस फिल्म में पूरी जान लगा दी थी। हमारे लिए यह बहुत बड़ी बात थी कि हमें उनके साथ काम करने का मौका मिला, क्योंकि वे अंकुश और प्रतिघात जैसी गंभीर फिल्मों के लिए जाने जाते थे। वहां से कॉलेज कॉमेडी की ओर मुड़ना उनके लिए एक बड़ा बदलाव था। उन्होंने हमें बाकायदा एक महीने की ट्रेनिंग दी थी। हम रोज उनके ऑफिस जाते थे और थिएटर प्ले की तैयारी की तरह अभ्यास करते थे।

## आज भी 3 इडियट्स का जादू वैसा ही बरकरार है, आप इसे कैसे देखते हैं?

क्या ही कहें! आज भी जब लोग मुझसे मिलते हैं, तो कहते हैं कि उन्होंने यह फिल्म 20-20 बार देखी है। अभी मैं भूटान में हूं और यहां मेरे सामने बैठी एक बेहद शर्मीली लड़की ने बताया कि उसने यह फिल्म 20 बार देखी है। लोग जब मिलते हैं, तो ऐसी बातें करते हैं मानो उन्होंने कल ही यह फिल्म देखी हो। इस फिल्म का असर लोगों पर बहुत गहरा है और आज भी जो प्यार मुझे मिलता है, उसे देखकर लगता ही नहीं कि 16 साल बीत चुके हैं।

## क्या राजू के किरदार के लिए अपनी तरफ से कुछ क्रिएटिव इनपुट दिए थे?

अरे नहीं-नहीं, मेरी इतनी हिम्मत कहां! राजू हिरानी सर की स्क्रिप्ट को लेकर इतनी जबरदस्त स्पष्टता थी कि किसी भी तरह के इम्प्रोवाइजेशन की गुंजाइश ही नहीं थी। उन्होंने हर चीज इतनी बारीकी से सोची थी कि हमें बस उसे निभाना था। हां, एक छोटा-सा किस्सा है, जब मैं राजू सर के साथ थोड़ा कंफर्टेबल हो गया, तब फिल्म के अंत में जब मिलीमीटर सालों बाद मिलता है, रिहर्सल के दौरान मैंने कहा... सर, यह तो अब सेंटीमीटर बन गया है।

## क्या थिएटर आपकी फिल्मी परफॉर्मेंस में भी मदद करता है?

बिल्कुल ! मेरा मानना है कि जैसे गायक रियाज करते हैं, वैसे ही एक्टर्स के लिए थिएटर एक तरह का रियाज है। मैंने यह महसूस किया है कि जब मैं कोई प्ले कर रहा होता हूं और उसी दौरान फिल्म के सेट पर जाता हूं, तो मेरी टाइमिंग और सेंस कहीं ज्यादा बेहतर हो जाते हैं। चाहे वह कॉमेडी सीन हो या ड्रामा, थिएटर से मिलने वाली वह अलर्टनेस हर जगह काम आती है। फिल्मों या ओटीटी में आपके पास रीटेक का विकल्प होता है। अगर शॉट ठीक नहीं हुआ, तो उसे दोबारा किया जा सकता है, इसलिए आप थोड़ा रिलैक्स मोड में रहते हैं। लेकिन थिएटर में गलती की कोई गुंजाइश नहीं होती। वहां आप हर समय अलर्ट रहते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in